संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

पंचकूला
सोमवार
15 दिसंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 172
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भावान्तर भरपाई योजना के तहत 380 करोड़ रूपये बाजरा उत्पादक किसानों के लिए जारी किये

पेज-8

बिहार सरकार के मंत्री नितिन नबीन बने राष्ट्रीय भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष

नयी दिल्ली- भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को पार्टी का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है।

भाजपा के संसदीय बोर्ड के इस फैसले की जानकारी राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स हैंडल पर अपने एक पोस्ट में नितिन नबीन को नयी जिम्मेदारी के लिये बधाई दी। वहीं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी नितिन नबीन को कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाये जाने पर बधाई दी है। इसके साथ श्री नबीन को सोशल मीडिया पर बधाई देने का तांता लग गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर अपने बधाई संदेश में लिखा कि 'नितिन नबीन ने एक मेहनती कार्यकर्ता के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। वह युवा और मेहनती नेता हैं, जिनके पास संगठन का अनुभव है और बिहार में कई बार विधायक और मंत्री के तौर पर उनका शानदार रिकॉर्ड रहा है।

उन्होंने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए लगन से काम किया है। वह अपने विनम्र स्वभाव और ज़मीनी काम करने के तरीके के लिए जाने जाते हैं। मुझे विश्वास है कि उनकी ऊर्जा और समर्पण आने वाले समय में हमारी पार्टी को मज़बूत करेगा। उन्हें भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर बधाई।'

ज्ञात रहे कि 2024 लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया था। तब से नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर कयास लगने लगे थे। नड्डा 2020 में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए गए थे। बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष उनका कार्यकाल जून 2024 तक था।

श्री नबीन को यह जिम्मेदारी पार्टी संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक रणनीति को धार देने में उनकी भूमिका को देखते हुये दी गयी है। उनकी नियुक्ति को बिहार की राजनीति में भाजपा के संगठनात्मक विस्तार के तौर पर देखा जा रहा है।

भाजपा कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नितिन नबीन के नाम की घोषणा के साथ ही उन तमाम अटकलों पर भी विराम लग गया है। जिनमें कई दिग्गज नेताओं के नाम की संभावनाएं जताई जा रही थी। नितिन नबीन की नियुक्ति को लेकर भाजपा ने जातीय समीकरण भी साधने की कोशिश की है।

भाजपा के नए अध्यक्ष कायस्थ समुदाय से आते हैं। इस समुदाय से बीजेपी में शीर्ष पद पर कई नेताओं को लाने की बात लंबे समय से चल रही थी। साथ ही आने वाले पश्चिम बंगाल और 2027 में यूपी विधानसभा चुनाव में नितिन नबीन की अहम भूमिका हो सकती है।

जानकारी के मुताबिक नितिन नबीन की बिहार में काफी मजबूत पकड़ है। बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा की अधिक सीटें लाने में उनका खास योगदान रहा है। वह इस बार लगातार पांचवीं बार बिहार विधानसभा चुनाव जीते हैं। एक बार फिर वह मंत्री बने हैं। वर्तमान में वह बांकीपुर विधानसभा से विधायक हैं।

नितिन नबीन सिन्हा कायस्थ समुदाय से आते हैं और दिग्गज भाजपा नेता नवीन किशोर सिन्हा के बेटे हैं। पिछले चुनाव में उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे लव सिन्हा को भारी अंतर से हराया था। पुष्पम प्रिया चौधरी भी इस चुनाव में भारी अंतर से हार गईं। वह भाजयुमो के राष्ट्रीय महासचिव भी थे।

संगठन से सरकार तक के सशक्त चेहरे के रूप पहचान है नितिन नबीन की

नई दिल्ली/ पटना- भारतीय जनता पार्टी के नव नियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन को राजनीति विरासत में मिली है। उनके पिता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा बिहार भाजपा के कद्दावर नेता थे।

पिता के निधन के बाद मात्र 26 साल की उम्र में विधायक बनने वाले श्री नबीन को कार्यकारी अध्यक्ष का पद भी मात्र 45 साल की उम्र में मिला है। वह नए पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन तक इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगे।

नितिन नबीन का जन्म प्रतिष्ठित राजनीतिक परिवार में 1 सितंबर 1980 को पटना में हुआ। उनके पिता पटना पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से चार बार विधायक रहे। पिता की राजनीतिक विरासत और जनसेवा की परंपरा ने नितिन नबीन को प्रारंभ से ही राजनीति की ओर प्रेरित किया।

मोटी-मोटी बातें

कोलकाता की अफरा-तफरी के बाद दिल्ली सतर्क, मेस्सी के आगमन से पहले अरुण जेटली स्टेडियम में कड़ी सुरक्षा

नई दिल्ली- कोलकाता में मशहूर फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम में मची अफरा-तफरी को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी के अरुण जेटली स्टेडियम में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की है, जहां उन्हें सोमवार को एक आयोजन में हिस्सा लेना है। अधिकारियों ने बताया कि अरुण जेटली स्टेडियम में मेस्सी का कार्यक्रम अपराह्न एक बजे से शाम चार बजे तक आयोजित किया जाएगा।

शनिवार को कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मेस्सी की झलक पाने में असमर्थ हजारों प्रशंसक सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करते हुए स्टेडियम में दौड़ पड़े, जिसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घटना की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। दिल्ली पुलिस ने कहा कि मेस्सी के दौरे को देखते हुए व्यापक बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्था की जा रही है, जिसमें भीड़ प्रबंधन, प्रवेश नियंत्रण और यातायात विनियमन पर खास ध्यान दिया जा रहा है।

अधिकारी के मुताबिक, कार्यक्रम स्थल के चारों ओर कई सुरक्षा घेरे बनाए जाएंगे और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मियों के साथ-साथ अर्धसैनिक बलों को भी तैनात किया जाएगा। स्टेडियम और निर्धारित क्षेत्रों में प्रवेश सख्ती से नियंत्रित किया जाएगा तथा वैध पास के बिना किसी को भी आवाजाही की अनुमति नहीं दी जाएगी। तोड़फोड़ रोधी जांच, तलाशी केंद्र और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी सुरक्षा व्यवस्था का अहम हिस्सा होगी। त्वरित प्रतिक्रिया दलों, वरिष्ठ पर्यवेक्षक अधिकारियों और आपातकालीन प्रतिक्रिया इकाइयों को पूरे कार्यक्रम के दौरान तैयार रखा जाएगा और जन सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

यातायात व्यवस्था के संबंध में पुलिस उपायुक्त (यातायात) निशांत गुप्ता ने कहा कि यातायात पुलिस ने चिह्नित वाहनों के लिए तीन मुख्य पार्किंग क्षेत्र निर्धारित किए हैं, जिनमें विक्रम नगर के पास पी1 भी शामिल है। बिना लेबल वाले वाहनों को राजघाट पावरहाउस पार्किंग स्थल और माता सुंदरी लेन में खड़ा किया जाना चाहिए, जहां से लोग स्टेडियम तक पैदल जा सकते हैं। ऐप आधारित टैक्सी सेवाओं का इस्तेमाल करने वाले लोगों को राजघाट चौक पर उतरने और बाकी का रास्ता पैदल तय करने की सलाह दी जाती है। अरुण जेटली स्टेडियम के आसपास पार्किंग पर सख्त प्रतिबंध होगा और वहां खड़े किसी भी वाहन को उठा लिया जाएगा तथा चालक पर जुर्माना लगाया जाएगा।

एक्टर अर्जुन रामपाल ने की सगाई, गैब्रिएला के साथ बिना शादी के हैं दो बच्चों के पिता

नयी दिल्ली- बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल ने अपनी प्रेमिका और मॉडल गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स से सगाई की घोषणा की है। रामपाल और डेमेट्रिएड्स दोनों अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट कार्यक्रम में आए थे जहां उन्होंने अपने संबंध पर चर्चा की।

इस दौरान डेमेट्रिड्स ने कहा कि उन्होंने अभी विवाह नहीं किया है, तभी रामपाल ने कहा कि दोनों सगाई कर चुके हैं। चक्रवर्ती ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस ऐपिसोड का प्रोमो वीडियो साझा किया।

वीडियो में डेमेट्रिएड्स ने कहा, "फिलहाल हमारी शादी नहीं हुई है।" इस पर फिल्म धुरंधर के एक्टर रामपाल ने कहा, "लेकिन हमारी सगाई हो चुकी है...हम आपके कार्यक्रम में यह बता रहे हैं।"

चक्रवर्ती ने वीडियो साझा करते हुए पोस्ट में लिखा, "गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स और अर्जुन रामपाल को बधाई।" दोनों 2018 में एक दूसरे के करीब आए थे। साल 2019 में उनके पहले बेटे अरिक जबकि 2023 में दूसरे बेटे आरव का जन्म हुआ।

रामपाल का इससे पहले मॉडल और फिल्म निर्माता मेहर जेसिया से विवाह हुआ था। दोनों की दो बेटियां महिका रामपाल और मायरा रामपाल हैं। रामपाल और जेसिया की 1998 में शादी हुई थी और उनका 2019 में तलाक हो गया था।

हॉर्नबिल महोत्सव भारत की सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त प्रतीक: मोदी

नयी दिल्ली – प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नागालैंड के हॉर्नबिल महोत्सव की सराहना की है और इसे भारत की सांस्कृतिक समृद्धि तथा जनजातीय विरासत की चिरस्थायी जीवंतता का सशक्त प्रतीक बताया है।

श्री मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा एक अखबार में हॉर्नबिल महोत्सव को लेकर लिखे गये लेख को साझा किया है और इसकी प्रशंसा करते हुए इसे भारत की सांस्कृतिक समृद्धि तथा जनजातीय विरासत की चिरस्थायी जीवंतता का एक शक्तिशाली प्रतीक बताया है।

उन्होंने कहा कि आज पूर्वोत्तर एक नये, आत्मविश्वासी भारत का चेहरा प्रस्तुत करता है। नागालैंड की अनूठी सांस्कृतिक पहचान की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह राज्य केवल एक महोत्सव की मेज़बानी नहीं करता, बल्कि स्वयं में एक उत्सव का प्रतीक है, जो 'त्योहारों की भूमि' के गौरवशाली नाम को सही सिद्ध करता है।

श्री सिंधिया ने एक अंग्रेजी अखबार में नागालैंड के हॉर्नबिल महोत्सव में पूर्वोत्तर की झलकियां नाम से एक लेख लिखा है, जिसे श्री मोदी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर साझा किया है। श्री मोदी ने लिखा कि नागालैंड का हॉर्नबिल महोत्सव मानवीय भावना के विविध रंग और प्राचीन तथा आधुनिकता के अद्भुत समन्वय के रूप में चित्रित करता है। उन्होंने कहा, 'जब हमारा पूर्वोत्तर प्रकाशमान होगा, तभी समूचा राष्ट्र उन्नति की ऊंचाइयों को छूएगा।'

उल्लेखनीय है कि नागालैंड की समृद्ध संस्कृति और जीवन शैली को प्रस्तुत करने वाला यह महोत्सव नागालैंड की लड़ाकू जनजातियों का सबसे बड़ा उत्सव है। इसे 'त्योहारों का त्योहार' भी कहा जाता है। इस हर साल एक से 10 दिसंबर यानी दिसंबर माह के प्रथम सप्ताह में मनाया जाता है।

चरखी दादरी में रोडवेज व स्कूल बस की टक्कर, 11वीं की छात्रा की मौत, कई घायल, टूर पर जा रहे थे स्टूडेंट

चरखी दादरी: चरखी दादरी में गांव कालियावास के समीप कोहरा के चलते हरियाणा रोडवेज व निजी स्कूल बसों की सीधी टक्कर हो गई। इस हादसे में निजी स्कूल की 11वीं क्लास की छात्रा की मौत हो गई, जबकि 20 स्कूली छात्राओं के अलावा स्कूल टीचर व दोनों बसों के ड्राइवर घायल हो गए।

हादसे की सूचना पर दादरी डीएसपी धीरज कुमार, सीटीएम प्रीती रावत व सांसद धर्मबीर सिंह सिविल व निजी अस्पतालों में पहुंचे और घायलों की जानकारी ली। वहीं इस मामले में झज्जर पुलिस द्वारा केस दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बता दें कि रविवार सुबह दादरी के आर्यन स्कूल की चार बसें झज्जर के प्रतापगढ़ फार्म पर टूर के लिए निकली थी। कोहरा के चलते बिरोहड़ रोड पर गांव कालियावास के समीप सामने से आ रही रोडवेज बस से सीधी टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि निजी स्कूल के परखच्चे उड़ गए। हादसे की सूचना मिलते ही दादरी पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को दादरी के निजी अस्पतालों के अलावा सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां निजी अस्पताल में उपचार के दौरान दादरी निवासी 11वीं की छात्रा 14 वर्षीय इंशिका की मौत हो गई, जबकि दोनों अस्पतालों में करीब 20 स्कूली छात्रों का उपचार चल रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कालियावास बस दुर्घटना पर जताया दुख

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गाँव कालियावास जिला झज्जर में हुई बस दुर्घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। उन्होंने दुर्घटना में घायल बच्चों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए दिवंगत छात्रा के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कठिन समय में सरकार प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है और सरकार की ओर से हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि रविवार सुबह दादरी के एक प्राइवेट स्कूल की बस बच्चों को लेकर प्रतापगढ़ जिला झज्जर जा रही थी और हरियाणा राज्य परिवहन चरखी दादरी की बस झज्जर से दादरी वाया बिहरोड आ रही थी। इस दौरान कालियावास गांव में दोनों बसें हादसाग्रस्त हो गई। इस हादसे में स्कूल की एक छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई जबकि बाकी 31 अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में कई बच्चों सहित बस के चालक, परिचालक और अध्यापक शामिल थे। सभी घायलों को स्थानीय नागरिक अस्पताल सहित निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। घायलों में से 23 लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। इसके अलावा , 8 घायलों का अभी भी उपचार चल रहा है। स्कूल बस के ड्राइवर को रेफर कर दिया गया है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मृतक छात्रा के परिजनों के लिए 2 लाख 50 हजार रुपये की तात्कालिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर गोलीबारी, नौ लोगों की मौत, एक हमलावर भी ढेर

सिडनी- ऑस्ट्रेलिया में सिडनी के बॉन्डी बीच पर रविवार को दो बंदूकधारियों की अंधाधुंध गोलीबारी में नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने एक हमलावर को मार गिराया जबकि एक अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने बताया कि इस हमले में 11 लोग घायल भी हुए हैं। उसने बताया कि घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया है। सिडनी की न्यू साउथ वेल्स पुलिस के एक बयान के अनुसार, हमले में दो पुलिस अधिकारियों समेत 11 लोग घायल हुए हैं। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं की है कि इस हमले का मकसद क्या था। यहूदी त्योहार हनुक्का की शुरुआत का जश्न मनाने के लिए सैकड़ों लोग बॉन्डी बीच पर 'चानुका बाय द सी' नामक कार्यक्रम के लिए एकत्र हुए थे।

पुलिस ने कहा कि उसका अभियान जारी है और ''आसपास के इलाके में मिली कई संदिग्ध वस्तुओं'' की जांच विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा की जा रही है। ऑस्ट्रेलियाई टेलीविजन चैनलों पर प्रसारित फुटेज में देखा जा सकता है कि कोई व्यक्ति बंदूकधारियों में से एक को पकड़कर उससे हथियार छीन लेता है और फिर वही हथियार उस पर तान देता है।

प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि उनकी संवेदनाएं सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं। उन्होंने कहा, ''बॉन्डी बीच के दृश्य चौंकाने वाले और दुखद हैं। पुलिस और आपातकालीन कर्मी मौके पर मौजूद हैं और लोगों की जान बचाने के लिए प्रयासरत हैं।''

पंजाब ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार–2025 में राज्यों की प्रदर्शन श्रेणी में देशभर में दूसरा स्थान हासिल किया

कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार–2025 समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पुरस्कार प्राप्त किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के अनुकरणीय प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। पंजाब राज्य ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार–2025 की "राज्यों की प्रदर्शन श्रेणी" में देशभर में दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

पंजाब के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने आज दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार–2025 समारोह के दौरान राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से यह महत्वपूर्ण पुरस्कार प्राप्त किया।

पुरस्कार समारोह के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए श्री अरोड़ा ने कहा कि इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के साथ पंजाब ऊर्जा दक्षता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले देश के शीर्ष राज्यों में शामिल हो गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार द्वारा इस क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को और सुदृढ़ करने के लिए किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए बताया कि पंजाब के कृषि क्षेत्र में अब तक 18,000 सौर ऊर्जा चालित पंप लगाए जा चुके हैं और इस संख्या को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं।

इसके अलावा, छोटे और मध्यम औद्योगिक इकाइयों की श्रेणी के अंतर्गत वेरका संयंत्रों में 185 ऊर्जा-कुशल तकनीक वाली मोटरें स्थापित की जा चुकी हैं। इन प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार ने राज्य की सरकारी इमारतों में 35 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा रूफटॉप प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक स्थापित किए हैं।

श्री अमन अरोड़ा ने कहा कि इमारतों में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और संरक्षण के लिए उठाए गए कदम वाणिज्यिक क्षेत्र में ऊर्जा बचत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इसके लिए ऊर्जा-कुशल डिज़ाइन, उपयुक्त निर्माण सामग्री के उपयोग और ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता का पालन किया जाता है।

उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त, पंजाब सरकार ने संयुक्त जलवायु क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण भवन कोड में संशोधन कर पंजाब ऊर्जा संरक्षण भवन कोड (ईसीबीसी) को अधिसूचित करने की पहल की है। भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भवन नियमों को लागू किया जा रहा है। अब तक 850 इमारतों को ईसीबीसी नियमों के अनुपालन के अंतर्गत लाया जा चुका है।

ऊर्जा संरक्षण और ऊर्जा दक्षता के क्षेत्र में की गई पहलों के लिए पंजाब ऊर्जा विकास एजेंसी (पेडा) के अधिकारियों की सराहना करते हुए श्री अरोड़ा ने कहा कि इन समग्र प्रयासों के परिणामस्वरूप अब तक 12,000 मिलियन यूनिट ऊर्जा की बचत संभव हो पाई है।

संगठन और सरकार के सशक्त तालमेल से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है सरकार की योजनाओं का लाभ : सीएम नायब सैनी

पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल होना मजबूत लोकतंत्र की आधारशिला : नायब सैनी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री आवास चंडीगढ़ में रविवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने बीएलए-1 के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में संगठनात्मक मजबूती, बूथ स्तर पर कार्ययोजना तथा सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री (संगठन) फणींद्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया एवं प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

बीएलए-1 की इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकार और संगठन के बेहतर तालमेल की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं आज संगठन और सरकार के सशक्त तालमेल से ही प्रभावी रूप से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही है। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने बीएलए-1 की भूमिका को चुनावी प्रक्रिया की रीढ़ बताया। उन्होंने सभी बीएलए-1 को सक्रिय और सजग रहने का आह्वान किया। संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने बीएलए-1 को उनके कार्य समझाए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता मेरी शक्ति है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता भाजपा को ताकत देते हैं, जनता के बीच काम करते हुए संगठन की शक्ति को और बढ़ाते हैं। श्री सैनी ने कहा कि कार्यकर्ताओं के प्रयासों से आज भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रणाली में बीएलए-1 की भूमिका महत्वपूर्ण है।

नायब सैनी ने कहा कि बीएलए-1 की अहम जिम्मेदारी है कि पात्र नागरिक मतदाता सूची से ना छूटे और किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल ना हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल होना मजबूत और समावेशी लोकतंत्र की आधारशिला है।

बैठक में बोलते हुए नायब सैनी ने कहा कि पीएम मोदी भी कहते हैं कि चुनाव हमेशा बूथ से लड़ा जाता है। इसलिए हमारा बूथ प्रबंधन बहुत ही महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य की सरकार ने जनहित में अनेकों योजनाएं बनाई हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की सभी योजनाओं का समान रूप से हर वर्ग के लोगों को लाभ मिल रहा है। सरकार की उपलब्धियां गिनवाते हुए मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया वे सरकार की योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं और लोगों को भाजपा की विचारधारा से जोड़ने का काम करें।

चुनावी प्रक्रिया की रीढ़ है बीएलए-1 : पंडित मोहन लाल बड़ौली

बैठक में बोलते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने बीएलए-1 की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि बीएलए-1 वह कड़ी हैं, जो पार्टी और जनता को बूथ स्तर पर जोड़ती है। मतदाता सूची से लेकर बूथ प्रबंधन तक बीएलए-1 पर बड़ी जिम्मेदारी होती है। श्री बड़ौली ने कहा कि भाजपा की हर उपलब्धि के पीछे कार्यकर्ताओं का परिश्रम और राष्ट्रभाव निहित है। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सेतु का कार्य करता है।

मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोदी और नायब सैनी सरकार की गरीब कल्याण की योजनाओं से आम लोगों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आए हैं। श्री बड़ौली ने कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं को जो जिम्मेदारी सौंपी जाती है उसे वे निष्ठापूर्वक पूरा करते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों, कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने में अपनी अहम भूमिका निभाएं।

संक्षिप्त समाचार

अजय गुप्ता ही था गोवा नाइट क्लब का कर्ता-धर्ता

गोवा, एजेंसी। गोवा के बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब में 6 दिसंबर को लगी आग में 25 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे की जांच में अब तक सौरभ और गौरव लूथरा का नाम ही सामने आ रहा था। हालांकि अब पुलिस को एक और अहम जानकारी मिली है। पुलिस ने पाया है कि उनका स्लीपिंग पार्टनर अजय गुप्ता ही क्लब का मुख्य कर्ता-धर्ता था। दरअसल, इस क्लब का आइडिया अजय गुप्ता का ही था और वही इसे चलाता था। रिपोर्ट के मुताबिक जिस दिन नाइट क्लब में हादसा हुआ, अजय गुप्ता गोवा में ही था। आग लगने के कुछ घंटों बाद वह जल्दबाजी में दिल्ली भाग गया था और तीन दिन बाद वह दिल्ली के एक अस्पताल में मिला। अजय गुप्ता लाजपत नदर के आईबीएस अस्पताल में मिला है। ये अस्पताल उसके एक करीबी दोस्त का बताया जा रहा है। पूछताछ के बाद, उसे बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया और नौ दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया । जांच में यह भी पता चला है कि गुप्ता ने अपने अच्छे संपर्कों का इस्तेमाल करके पहले भी पुलिस की तीन चेतावनियों को एक पूर्व ढ्क्र- अधिकारी की मदद से खत्म करवा दिया था, जिससे क्लब पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाई थी। इस बीच, लूथरा बंधुओं को भी जल्द ही कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए थाईलैंड से भारत लाया जाएगा। उत्तरी गोवा के 'बर्च बाय रोमियो लेन'नाइटक्लब के सह-मालिक गौरव और सौरभ लूथरा आग लगने की घटना के तुरंत बाद थाईलैंड के फुकेट भाग गए। उनके खिलाफ इंटरपोल का 'ब्लू कॉर्नर' नोटिस जारी किया गया है। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को दोनों आरोपियों को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया, जबकि उनके साझेदार को आगजनी की घटना के सिलसिले में हिरासत में लिया गया। अदालत में, गौरव और सौरभ लूथरा के वकील ने उनके भाग जाने के आरोपों का खंडन करते हुए दावा किया कि यह यात्रा एक व्यावसायिक बैठक के लिए थी, और तर्क दिया कि दोनों भाई केवल लाइसेंसधारी हैं, न कि नाइटक्लब के वास्तविक मालिक। इस बीच, गोवा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि राज्य पुलिस, लूथरा बंधुओं के प्रत्यर्पण के लिए केंद्रीय एजेंसियों के साथ लगातार संपर्क में है।

तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव से पहले स्टालिन ने चला दांव

चैन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव अब सिर्फ पांच महीने दूर हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपनी प्रमुख महिला कल्याण योजना कलाइग्नर मगलिर उरिमाई थिट्टम के दूसरे चरण की शुरुआत की है। इस विस्तार से राज्य भर में अतिरिक्त 17 लाख महिलाओं को फायदा होगा। इससे योजना के लाभार्थियों की कुल संख्या 1.3 करोड़ से ज्यादा हो जाएगी। यह घोषणा चेन्नई के नेहरू स्टेडियम में आयोजित वेल्लुम तमिल पेंगल नाम के कार्यक्रम में की गई। इस योजना की क्या है खास बातें? इस योजना के तहत परिवार की महिला मुखिया को हर महीने सीधे बैंक खाते में 1000 रुपये ट्रांसफर किए जाते हैं। योजना की औपचारिक शुरुआत 15 सितंबर 2023 को हुई थी और तब से हर महीने की 15 तारीख को राशि जमा होती है।

नई दिल्ली में हाई कमान से मिलेंगे सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार

बैंग्लूरु, एजेंसी। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर मची खींचतान थमने का नाम नहीं ले रही है। हाई कमान के निर्देश पर मुख्यमंत्री के घर हुए दोनों नेताओं के नाश्ते के बाद ऐसा दावा किया जा रहा था कि अब सब ठीक है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से दोनों पक्षों की तरफ से की जा रही बयान बाजी के बाद यह साफ है कि कुछ ठीक नहीं है। इसी खींचतान को लेकर अब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार 14 दिसंबर को नई दिल्ली में शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर सकते हैं।

झुग्गी-झोंपड़ी में रहने वाले टोंग लेन स्कूल के बच्चों का सपना हुआ साकार

● क्रिकेट मैच देखने पहुंचे बच्चों ने एक स्वर में कहा थैंक्स सुक्खु जी ● बच्चों से किया वायदा सीएम ने किया पूरा

धर्मशाला । हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने एक बार फिर अपने संवेदनशील नेतृत्व का परिचय दिया है। धर्मशाला के सराह क्षेत्र स्थित टोंग लेन स्कूल में अध्ययनरत झुग्गी-झोंपड़ी में रहने वाले 160 बच्चों को आज भारत एवं दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच को देखने का अवसर मिला। यह अवसर मुख्यमंत्री द्वारा अपने हालिया धर्मशाला दौरे के दौरान इन बच्चों से किए गए वायदे के अनुरूप प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री के इस अत्यंत भावनात्मक प्रयास ने इन बच्चों के चेहरों पर बड़ी मुस्कान ला दी। सीमित संसाधनों में जीवन यापन करने वाले इन बच्चों के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच को स्टेडियम में बैठकर देखना किसी सपने के साकार होने जैसा था। मैच के दौरान बच्चों में उत्साह, उमंग और खुशी साफ झलक रही थी। बच्चों ने एक स्वर में माननीय मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने पहली बार इस तरह का बड़ा आयोजन नजदीक से देखा है, जिसे वे जीवनभर याद रखेंगे। विद्यालय प्रबंधन एवं अभिभावकों ने भी मुख्यमंत्री के इस मानवीय कदम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल समाज के वंचित वर्ग के बच्चों में आत्मविश्वास जगाने और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि यह पहला मौका है जब टोंग लेन के बच्चे हिमाचल प्रदेश क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट मैच देखने आये हैं।

सुबह की सैर करते पहुंचे थे सीएम - गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हाल ही में धर्मशाला में आयोजित शीतकालीन सत्र के दौरान सुबह की सैर के समय टोंग लेन संस्था के हास्टल का दौरा किया था और वहां बच्चों से बातचीत के दौरान उन्होंने उन्हें क्रिकेट मैच दिखाने का वायदा किया था। अब मुख्यमंत्री के निर्देश पर यह वायदा पूरा हुआ है।

मजदूर परिवार के बच्चों को भाय सीएम - धर्मशाला और आसपास की झुग्गियों में बाहरी राज्यों से आए मजदूर परिवार रहते हैं जो दिहाड़ी मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं। इनके कई बच्चे स्कूल जाने की बजाय शहर में भीख मांगने जैसे हालातों में फंस जाते हैं। ऐसे बच्चे अब टोंग लेन शिक्षा हासिल कर अपना भविष्य संवार रहे हैं और इनके सपनों को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खु ने पंख लगा दिए हैं।

नासा में सप्लाई के नाम पर कॉलेज प्रबंधक से ठगे करोड़ों

● सुकांता बनर्जी और पत्नी पर केस

गोरखपुर, एजेंसी। अमेरिका के अंतरिक्ष कार्यक्रमों की सरकारी एजेंसी नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) में सप्लाई के नाम पर करोड़ों रुपये का निवेश कराकर एक और जालसाजी का मामला प्रकाश में आया है। इस बार पीड़ितों में कॉलेज प्रबंधक और उनके पड़ोसी हैं। कॉलेज प्रबंधक की तहरीर पर रामगढ़ताल पुलिस ने कोलकता के सुकांता बनर्जी और उसकी कथित पत्नी पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है।

रामगढ़ताल क्षेत्र के न्यू कॉलोनी कजाकपुर निवासी और इंदिरा गांधी गर्ल्स डिग्री कॉलेज के प्रबंधक अनिल कुमार राय ने बताया कि करीब दो साल पहले लखनऊ में उनकी मुलाकात कोलकाता के थाना बारा क्षेत्र निवासी सुकांता बनर्जी से हुई थी। सुकांता बनर्जी और उसकी पत्नी शालिनी नासकर ने खुद को नासा से संबद्ध कंपनी का चीफ को-ऑर्डिनेटर बताते हुए स्पेस शटल और न्यूक्लियर एनर्जी में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों और दुर्लभ रेडियोधर्मी धातुओं की सप्लाई के कारोबार में निवेश का प्रस्ताव दिया था। उन्होंने एक रुपये के बदले सौ रुपये तक मुनाफे का लालच दिया। अधिक लाभ के झांसे में आकर अनिल राय के साथ उनकी कॉलोनी में रहने वाले पदमाकर त्रिपाठी, राकेश और विजय ने भी एक करोड़ रुपये से अधिक की राशि निवेश कर दी। बाद में आरोपी संपर्क से बाहर हो गए।

जेल में है मुख्य आरोपी सुकांता बनर्जी

थाना प्रभारी नितिन रघुनाथ ने बताया कि सुकांता बनर्जी को 11 नवंबर को धोखाधड़ी के इसी तरह के एक अन्य मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजवाया जा चुका है। जेल जाने के बाद उसके पुराने ठगी के कई और मामले सामने आ रहे हैं। पुलिस उन सभी मामले की जांच कर रही है। जरूरत पड़ेगी तो इन मामलों में आरोपित की रिमांड ली जाएगी। वहीं, गिरोह में शामिल उसकी पत्नी सहित अन्य आरोपितों की तलाश जारी है। सिंचाई विभाग के ठेकेदार और रामगढ़ताल क्षेत्र निवासी मदन मोहन शुक्ला से 80 लाख रुपये की ठगी के आरोप में सुकांता बनर्जी पर गोरखपुर में पहला केस दर्ज हुआ था। ठेकेदार के अनुसार, मार्च 2018 में कानपुर निवासी सुरेश रमानी के जरिए उनकी मुलाकात सुकांता बनर्जी से हुई थी। अमेरिकी कंपनियों के कागजात और पीएम कार्यालय, एक्सिस बैंक और रिजर्व बैंक से कथित पत्राचार दिखाकर भरोसा दिलाया था। लालच में आकर मदन मोहन शुक्ला ने सुकांता बनर्जी, शालिनी नासकर और अन्य सहयोगियों को 80 लाख रुपये निवेश करने के लिए दे दिए। बाद में पता चला कि आरोपी देशभर में कई लोगों से करोड़ों रुपये ठग चुका है और किसी को भी आज तक मुनाफा नहीं मिला।

सीबीआई मुख्यालय में भी की गई थी शिकायत

पीड़ित ठेकेदार ने बताया कि लगातार भुगतान मांगने पर आरोपी टालमटोल करता रहा और बाद में फोन बंद कर लिया। आरोपी लखनऊ का मकान बेचकर कोलकाता फरार हो गया। इस मामले में पीड़ित ने सीबीआई मुख्यालय, नई दिल्ली में भी शिकायत की थी। सुकांता बनर्जी पर रामगढ़ताल थाने में जालसाजी के पांच केस दर्ज हैं। इससे पहले विभव दुबे, सतीश चंद्र धर दुबे आदि ने केस दर्ज कराया है। नेपाल के उद्यमियों से भी 15 करोड़ तक की ठगी की बात कही जा रही है।

ग्रेटर नोएडा को बिजली कटौती से मिलेगी मुक्ति

सभी हाईटेंशन लाइन होंगी अंडरग्राउंड

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। नोएडा-ग्रेटर नोएडा में शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं हो हर मौसम में निर्बाध आपूर्ति देने के लिए सभी हाईटेंशन (एचटी) लाइन अंडरग्राउंड की जाएंगी। इसके लिए विद्युत निगम ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। विद्युत ढांचे के आधुनिकीकरण योजना के तहत यह काम किया जाएगा। सभी एचटी लाइन कंट्रोल रूम से भी जोड़ी जाएंगी, ताकि इन पर ऑनलाइन निगरानी रखी जा सके।

जिले में केंद्र और प्रदेश सरकार की संयुक्त योजना के तहत बिजली ढांचे के आधुनिकीकरण और स्काडा कंट्रोल योजना के तहत बिजली ढांचे को सुधारने का कार्य किया जाना है। इसके लिए 1313 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को स्वीकृति दी जा चुकी है। इसके साथ बिजली लाइनों की क्षमता वृद्धि का कार्य भी किया जाएगा। जरूरत के अनुसार नई बिजली लाइनें भी डाली जाएंगी। वहीं, जर्जर बिजली के खंभों को भी दुरुस्त किया जा रहा है और जरुरत के अनुसार नए खंभे भी लगाए जा रहे हैं।

दशकों पुराना ढांचा मजबूत होगा तो उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति भी मिल सकेगी। इस कार्य को दो फेस में किया जाएगा। अभी स्काड़ा योजना के तहत 650 करोड़ रुपये का टेंडर एक कंपनी को दिया गया है। कंपनी के प्रतिनिधियों ने जिले के अभियंताओं के साथ काम के सिलसिले में बैठक भी करनी शुरू कर दी है। इसके साथ ही सभी एचटी लाइनों को भूमिगत भी किया जाएगा।

मांझी सरकार की प्रतिनिधि गीता मुर्मु गिरफ्तार

एसआईआर के खिलाफ आदिवादियों को भड़काने का मामला

बांकुड़ा एजेंसी। एसआईआर में बाधा डालने के मामला में तथाकथित समाजवाद अंतरराष्ट्रीय मांझी सरकार के प्रतिनिधि और उड़ीसा की निवासी गीता मुर्मु को गिरफ्तार किया गया है। बांकुड़ा जिला के बारिकुल थाना क्षेत्र से पुलिस ने उनको गिरफ्तार किया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, उड़ीसा से आई समाजवाद अंतरराष्ट्रीय मांझी सरकार की प्रतिनिधि गीता मुर्मु ने आदिवासियों के सामने दावा किया था कि आदिवासी भारत के कानून के अधीन में नहीं है और उन्हें भारतीय चुनाव आयोग द्वारा जारी एसआईआर फॉर्म भरने की आवश्यकता नहीं है। गीता मुर्मु की बातों में आकर विभिन्न जगहों के कई आदिवासी ने मांझी सरकार में शामिल होने की बात कह कर एसआईआर फार्म भरने से इनकार कर दिया था। पुरुलिया के बांदोवान थाना क्षेत्र के निवासी कुछ आदिवासी परिवार के लोगों ने भी पहले एसआईआर फॉर्म को भरने की बात कही थी, प्रशासन के लोगों को समझाने के बाद बांदोवान में रहने वाले लोगों ने यह फॉर्म भर दिया था, लेकिन बांकुड़ा जिला के रानीबांध ब्लाक में 10 गांव के कुल 130 आदिवासियों ने एसआईआर फॉर्म भरने से इनकार कर दिया था।

पुलिस के समझाने पर भरा फॉर्म: स्थानीय प्रशासन ने काफी कोशिश करने के बाद 66 लोगों को छोड़कर बाकी सभी लोगों ने एसआईआर फॉर्म भरा और इसे बी एल ओ के पास जमा किया गया था। पिछले शुक्रवार को बांकुड़ा जिला के रानीबांध क्षेत्र के मुचिकाटा गांव से गीता मुर्मु पुलिस के कहने पर बांकुड़ा जिला के बारिकुल थाना में अपने संगठन के साथियों के साथ बातचीत करने गई थीं। थाना से बाहर निकाल कर मुचिकाटा गांव में लौट गईं और वहां से उड़ीसा की ओर रवाना हो गईं, लेकिन बीच सड़क में पुरुलिया जिले के बांदोवान थाना के पुलिस ने उनको गिरफ्तार कर लिया है।

मुख्यमंत्री ने बच्चों से किया वादा पूरा किया

बच्चों ने धर्मशाला स्टेडियम में लाइव क्रिकेट मैच देखा

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुखु ने वंचित बच्चों से किए गए वादे को पूरा करके एक बार फिर अपनी करुणा और संवेदनशीलता का परिचय दिया। धर्मशाला के साराह क्षेत्र स्थित टोंग लेन स्कूल में पढ़ने वाले झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले 160 बच्चों को आज स्टेडियम में भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच का सीधा प्रसारण देखने का अवसर मिला।

यह विशेष पहल मुख्यमंत्री द्वारा धर्मशाला की हालिया यात्रा के दौरान दिए गए आश्वासन और वादे के अनुरूप थी। बेहद सीमित संसाधनों वाले परिवारों से आने वाले इन बच्चों के लिए हिमाचल प्रदेश क्रिकेट स्टेडियम के स्टैंड से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच देखना किसी सपने के सच होने से कम नहीं था।

मुख्यमंत्री की पहल से बच्चों के चेहरों पर मुस्कान आ गई। मैच के दौरान उनका उत्साह, उमंग और खुशी साफ झलक रही थी, जिससे यह अनुभव उनके लिए वाकई यादगार बन गया।

मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बच्चों ने अपना वादा निभाने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और कहा कि इतने भव्य खेल आयोजन को इतने करीब से देखने का यह उनका पहला अनुभव था, जिसे वे जीवन भर संजोकर रखेंगे। स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों ने भी मुख्यमंत्री के इस मानवीय कदम की सराहना की और कहा कि ऐसी पहल से वंचित वर्गों के बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें बेहतर भविष्य की आकांक्षा रखने की प्रेरणा मिलती है।

उन्होंने कहा कि यह पहला अवसर था जब टोंग लेन स्कूल के बच्चों ने धर्मशाला स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट मैच देखा था और वे अपने बच्चों को ऐसा शानदार अवसर प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति अत्यंत आभारी हैं।

शशि थरूर के गढ़ में जीत से भाजपा खुश?

तिरुवनंतपुरम , एजेंसी। केरल के स्थानीय निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हैरान कर देने वाला प्रदर्शन किया है। राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम में भाजपा ने निगम पर जीत हासिल की है। भगवा पार्टी के लिए यह एक अनपेक्षित सफलता है।

भाजपा ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम के चुनाव में 101 में से 50 वार्डों में जीत हासिल की। सत्तारूढ़ एलडीएफ केवल 29 और कांग्रेस की अगुवाई वाला यूडीएफ 19 सीटों पर सिमट गया, जबकि दो सीटें निर्दलीयों के खाते में गईं। इसे राजधानी पर पिछले 45 वर्षों से कायम लेफ्ट फ्रंट के दबदबे के खात्मे की शुरुआत माना जा रहा है। भाजपा की जीत कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है। दरअसल, तिरुवनंतपुरम सीट से शशि थरूर कांग्रेस के सांसद हैं। हाल ही में वे पीएम मोदी की प्रशंसा और कांग्रेस की बड़ी बैठकों से गैरहाजिरी के कारण सुर्खियों में रहे हैं। कांग्रेस ने वैसे पूरे राज्य में बेहतर प्रदर्शन किया है। ग्रामीण इलाकों की बात करें तो वहां यूडीएफ और एलडीएफ के बीच ही मुकाबला हुआ है लेकिन भाजपा ने शहरी इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत कर खतरे की घंटी जरूर बजा दी है। इस बार राज्य भर में भाजपा 577 वार्डों पर या तो जीती है या बढ़त में है। शहरी क्षेत्रों में उसका अभूतपूर्व उछाल देखा जा रहा है। इसे भाजपा के हाशिए से मुख्यधारा में आने के तौर पर देखा जा रहा है।

केरल में 2016 के विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने पहली बार सीट जीती थी और करीब 2 प्रतिशत वोट मिला था। 2024 के लोकसभा चुनाव तक एनडीए का वोट प्रतिशत बढ़कर 19 हो गया। इस तरह से पार्टी धीरे-धीरे राज्य में अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। हालांकि 2021 में भाजपा ने कोई सीट नहीं जीत पाई थी लकिन वोट प्रतिशत में इजाफा हुआ था और वह 12 प्रतिशत तक हो गया था। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को करीब 13 प्रतिशत वोट मिले थे और राजधानी में वह दूसरे नंबर पर रही थी। 2024 के लोकसभा चुनाव की अगर बात करें तो पार्टी ने पहली बार त्रिशूर सीट जीती।

छत्तीसगढ़ में अभी तक बिचौलियों का 11,300 क्विंटल धान और 48 वाहन जब्त

रायपुर एजेंसी। उत्तर प्रदेश , झारखंड और मध्यप्रदेश की सीमा से लगे छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में इस वर्ष अभी तक बिचौलियों का 11,300 क्विंटल धान तथा 48 वाहन जब्त किया गया है। सरकारी समर्थन मूल्य के हिसाब से जब्त धान की अनुमानित कीमत लगभग तीन करोड़ 50 लाख रुपये है। जब्ती नहीं होने पर यह धान उपार्जन केंद्रों में बिक्री कर दिया जाता इससे बिचौलिए अतिरिक्त लाभ कमाते और सरकार को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता। झारखंड में 2450 रुपये प्रति क्विंटल तथा उत्तर प्रदेश में 2369 रुपये प्रति क्विंटल की दर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था है, जबकि छत्तीसगढ़ में 3100 रुपये प्रति क्विंटल के दर से सरकार धान की खरीदी करती है। छत्तीसगढ़ में प्रति क्विंटल लगभग 700 रुपये अधिक दर मिलने के कारण उत्तर प्रदेश और झारखंड का धान यहां खपाने का प्रयास किया जा रहा है जिस पर रोक लगाने प्रशासन भी सजग है। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र और झारखंड के गढ़वा जिले के व्यापारियों की रिश्तेदारी बलरामपुर जिले में है।यह रिश्तेदारी भी धान तस्करी में सहायक साबित होती है। उत्तर प्रदेश और झारखंड में कम दाम में धान की खरीदी कर वे लोग बलरामपुर जिले में रहने वाले रिश्तेदारों के नाम पर धान बिक्री का प्रयास करते हैं। पिकअप,ट्रक यहां तक की मोटरसाइकिल से भी धान का अवैध परिवहन किया जाता है।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालयः बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

राष्ट्रीय पेंटिंग वर्कशॉप में शिरकत करने वाले कलाकारों का मंत्री रणबीर गंगवा ने बढ़ाया हौसला

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने आज हिसार में सुरभि आर्ट फेस्टिवल की राष्ट्रीय पेंटिंग वर्कशॉप में शिरकत की।

इस मौके पर मंत्री ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कलाकारों द्वारा बनाई गई विविध विषयों पर आधारित उत्कृष्ट, रचनात्मक एवं भावनात्मक कलाकृतियों का गहन अवलोकन किया और कलाकारों की प्रतिभा की सराहना कर उनका हौसला बढ़ाया।

मंत्री ने कहा कि कला और संस्कृति समाज की पहचान होती है और इस प्रकार की प्रतियोगिताएं युवाओं एवं उभरते कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास और समर्पण से ही कला के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुआ जा सकता है।

उन्होंने कहा कि कला समाज का दर्पण होता है और कलाकार अपनी कूची व रंगों के माध्यम से समाज की भावनाओं, संस्कृति और विचारों को जीवंत रूप प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पेंटिंग वर्कशॉप युवा एवं उभरते कलाकारों को अपनी प्रतिभा निखारने और आत्मविश्वास बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर देती हैं। ऐसे मंच कलाकारों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में भी चित्रकला का महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि कला के माध्यम से समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य किया जा सकता है। मंत्री ने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे निरंतर अभ्यास, लगन और अनुशासन के साथ अपनी कला को आगे बढ़ाएं और राज्य व देश का नाम रोशन करें।

इस अवसर पर वरिष्ठ कलाकार, कला प्रेमी, प्रतिभागी कलाकार तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री गांव गंगवा में 15 दिसंबर को करेंगे राजाराम मेमोरियल लाइब्रेरी का शिलान्यास

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा 15 दिसंबर को गांव गंगवा में राजाराम मेमोरियल लाइब्रेरी का शिलान्यास करेंगे।

एक सरकारी प्रवक्ता ने इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि लाइब्रेरी शिलान्यास करने के उपरांत कैबिनेट मंत्री गांव में जन समस्याएं भी सुनेंगे।

कैबिनेट मंत्री ने रविवार को भी अपने आवास पर विभिन्न स्थानों से आए नागरिकों की समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन समस्याओं का निवारण सरकार की प्राथमिकता है। ज्यादातर शिकायतें पंचायती राज, राजस्व, पुलिस तथा शहरी स्थानीय निकाय विभाग से संबंधित थी, जिनके निवारण को लेकर अधिकारियों को हिदायत दी गई।

अमृतसर में ड्रग मॉड्यूल का पर्दाफाश; 4 किलो हेरोइन, 3.90 लाख रुपये की ड्रग मनी और एक पिस्तौल सहित चार गिरफ्तार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत, काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने विदेश आधारित तस्करों से जुड़े ड्रग सप्लाई मॉड्यूल के चार सदस्यों को 4 किलो हेरोइन, 3.90 लाख रुपये की ड्रग मनी और एक .32 बोर पिस्तौल, मैगज़ीन तथा पांच जिंदा कारतूसों सहित गिरफ्तार कर इस मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान युवराज सिंह निवासी रोडीवाल, अमृतसर; वरिंदर सिंह निवासी धौल कलां, अमृतसर; जग्गरूप सिंह निवासी संगना, अमृतसर और जुगराज सिंह निवासी सरकारिया एन्क्लेव, अमृतसर के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने उनके काले रंग की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (पीबी-02-ईई-0627) और सफेद रंग की होंडा एक्टिवा (पीबी-02-ईएक्स-2265), जिनका उपयोग वे खेप की डिलीवरी के लिए कर रहे थे, को भी जब्त कर लिया है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि सीआई अमृतसर की पुलिस टीमों को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि विदेशी हैंडलर लखविंदर सिंह उर्फ़ बाबा लक्खा के सहयोगी युवराज और वरिंदर ने अजनाला सेक्टर से हेरोइन की एक खेप प्राप्त की है और वे संभावित रूप से इस खेप को अमृतसर में गुरुद्वारा मोर्चा साहिब के पास संदिग्ध जग्गरूप सिंह को डिलीवर करेंगे। उन्होंने बताया कि इस सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने जाल बिछाया और तीनों आरोपियों को नशीले पदार्थों की खेप और पिस्तौल सहित गिरफ्तार कर लिया।

उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपी जग्गरूप सिंह ने पूछताछ के दौरान खुलासा किया कि वह दया सिंह उर्फ़ प्रीत सेखों, जो इस समय श्री मुक्तसर साहिब की केंद्रीय जेल में बंद है, के निर्देशों पर काम कर रहा था और प्रीत सेखों ने उसे गुरुद्वारा मोर्चा साहिब के पास से हेरोइन की खेप प्राप्त करने के निर्देश दिए थे।

अमेजन की भारत में 35 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश करने की योजना

अमृतसर- अमेजन के छठे संस्करण के संभव समिट में जारी की गई कीस्टोन स्ट्रैटेजी की एक आर्थिक प्रभाव रिपोर्ट से पता चलता है कि 2010 से भारत में अमेजन का 40 बिलियन डॉलर का संचयी निवेश, जिसमें कर्मचारियों को मुआवजा और बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है, ने भारत के आत्मनिर्भर विजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

अमेजन ने भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और घोषणा की कि वह 2030 तक देश में अपने सभी व्यवसायों में 35 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश करने की योजना बना रहा है, जिसका ध्यान व्यावसायिक विस्तार के साथ-साथ तीन रणनीतिक स्तंभों पर होगारू एआई-संचालित डिजिटलीकरण, निर्यात वृद्धि और नौकरी सृजन।

अमेजन के उभरते बाजारों के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अमित अग्रवाल ने कहा कि पिछले 15 वर्षों से भारत की डिजिटल परिवर्तन यात्रा का हिस्सा बनकर हम अभिभूत हैं, भारत में अमेजन का विकास आत्मनिर्भर और विकसित भारत के विजन के साथ पूरी तरह से जुड़ा हुआ है। हमने भारत में छोटे व्यवसायों के लिए भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे के विकास, लाखों नौकरियां पैदा करने और मेक इन इंडिया को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश किया है। 2030 को देखते हुए, हम भारत की ग्रोथ के लिए कैटलिस्ट बने रहने के लिए उत्साहित हैं, क्योंकि हम लाखों भारतीयों के लिए एआई तक पहुंच को आसान बना रहे हैं और कुल ईकॉमर्स एक्सपोर्ट को चार गुना बढ़ाकर 80 बिलियन डॉलर कर रहे हैं। 2030 में, कंपनी 3.8 मिलियन प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, प्रेरित और मौसमी नौकरियों को उत्पन्न करेगी।

पंचकूला में राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन, 18,339 मामलों का निपटारा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। श्री अजय कुमार, माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, ADR सेंटर, जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण (DLSA), जिला न्यायालय परिसर, पंचकूला, ने बताया कि आज जिला न्यायालय, पंचकूला और उप-मंडल कालका में राष्ट्रीय लोक अदालत का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया । राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हरियाणा राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (HALSA) के तत्वावधान में विवादों के निपटारे की व्यवस्था के माध्यम से त्वरित, प्रभावी और सौहार्दपूर्ण समाधान प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया था।

श्री अजय कुमार ने बताया कि आम जनता और न्यायालय परिसर में आने वाले वादियों की सुविधा और मार्गदर्शन के लिए जिला न्यायालय, पंचकूला में विशेष रूप से एक हेल्प डेस्क स्थापित किया गया था। हेल्प डेस्क ने लोक अदालत बेंच, लिए गए मामलों की प्रकृति, निपटारे की प्रक्रियाओं और अन्य संबंधित सहायता के बारे में जानकारी प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे वादियों की सुचारू भागीदारी सुनिश्चित हुई और न्याय तक पहुंच बढ़ी।

उन्होंने आगे बताया कि श्री जगदीप सिंह लोहान, माननीय सदस्य सचिव, हरियाणा राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (HALSA), ने राष्ट्रीय लोक अदालत के कामकाज की व्यक्तिगत रूप से निगरानी और समीक्षा करने के लिए आज जिला न्यायालय, पंचकूला का दौरा किया। अपने दौरे के दौरान, माननीय सदस्य सचिव ने न्यायालय परिसर में गठित प्रत्येक लोक अदालत बेंच का निरीक्षण किया और पीठासीन अधिकारियों के साथ बातचीत की। उन्होंने मामलों के निपटारे की प्रगति पर चर्चा की, निष्पक्ष और सहमति से निपटारे के महत्व पर जोर दिया, और मामलों के अधिकतम निपटारे को प्राप्त करने के लिए सभी हितधारकों के बीच प्रभावी समन्वय को प्रोत्साहित किया।

श्री घनघस ने बताया कि आज की राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के मामले उठाए गए, जिनमें दीवानी मामले, आपराधिक समझौता योग्य मामले, राजस्व मामले, ट्रैफिक चालान, बैंक वसूली मामले, मोटर दुर्घटना दावा मामले, पारिवारिक विवाद और अन्य मुकदमेबाजी से पहले और लंबित मामले शामिल हैं। लोक अदालत ने वादियों को अपने विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने, समय और मुकदमेबाजी के खर्च को बचाने और अदालतों में मामलों की लंबितता को कम करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय लोक अदालत आम आदमी के लिए, विशेष रूप से ट्रैफिक चालान मामलों और छोटे-मोटे विवादों में शामिल लोगों के लिए बहुत फायदेमंद साबित हुई, क्योंकि मामलों का निपटारा आपसी समझौते के आधार पर तेजी से किया गया, जिससे लंबे समय तक चलने वाले मुकदमों से बचा जा सका। लोक अदालत में हुए समझौते अंतिम और पक्षों पर बाध्यकारी होते हैं, जिसमें आगे कोई अपील नहीं होती है, जो इस प्रणाली की प्रभावशीलता और विश्वसनीयता को बढ़ाता है। श्री अजय कुमार ने नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने में न्यायिक अधिकारियों, वकीलों, कोर्ट स्टाफ, पुलिस अधिकारियों और लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के सदस्यों के सहयोग पर संतोष जताया। उन्होंने दोहराया कि DLSA, पंचकूला, समाज के बड़े फायदे के लिए न्याय तक पहुंच को बढ़ावा देने, कानूनी जागरूकता फैलाने और वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है । उन्होंने जनता से यह भी आग्रह किया कि वे भविष्य में भी लोक अदालतों का लाभ उठाते रहें और शांतिपूर्ण, तेज़ और कम खर्चीले तरीके से सौहार्दपूर्ण ढंग से विवादों को सुलझाएं।

ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन : हरियाणा पुलिस का ताबड़तोड़ अभियान, 803 ठिकानों पर छापेमारी, 39 खूंखार अपराधी समेत 173 गिरफ्तार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। अपराध और नशा तस्करी के नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के मिशन के तहत हरियाणा पुलिस ने शनिवार को 'ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन' के तहत राज्यव्यापी कार्रवाई को नई गति दी। 13 दिसंबर 2025 को चलाए गए इस व्यापक अभियान में पुलिस टीमों ने एक साथ 803 चिह्नित नशा और जुआ हॉटस्पॉट्स पर दबिश दी। इस ऑपरेशन ने फरार और हिंसक अपराधियों की गिरफ्तारी में बड़ी सफलता हासिल की, जिससे राज्य की कानून-व्यवस्था और भी मजबूत हुई।

पुलिस ने इस विशेष अभियान के दौरान 173 असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया और विभिन्न धाराओं के तहत 75 नए मामले दर्ज किए। इनमें आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज तीन मामले भी शामिल हैं, जिनमें चार आरोपियों को अवैध हथियार रखने के जुर्म में सज़ा हुई है। साथ ही, पुलिस ने 39 फरार हिंसक अपराधियों को भी सलाखों के पीछे पहुंचाया, जो लंबे समय से कानून की गिरफ्त से बाहर थे। पड़ोसी राज्यों की पुलिस के साथ 30 महत्वपूर्ण इंटेलिजेंस रिपोर्ट साझा की गईं, जबकि विदेश में छिपे अपराधियों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (LOC) भी जारी किया गया।

इस अभियान के दौरान अपराधियों पर आर्थिक प्रहार करते हुए पुलिस ने नकदी, नशीले पदार्थ और अवैध वाहन बड़ी मात्रा में जब्त किए। कुल 28,68,430 रुपये की नकदी बरामद की गई, जिसमें पलवल जिले से 20 लाख रुपये और सिरसा से 8 लाख रुपये की बड़ी बरामदगी शामिल है। पुलिस ने 12.12 किलोग्राम गांजा, 150 ग्राम अफ़ीम, 220 ग्राम चरस/सुल्फा और 453 ग्राम हेरोइन ज़ब्त की। इसके अलावा अपराध में प्रयुक्त 2 कार, 4 मोटरसाइकिल, 3 स्कूटी/एक्टिवा, 1 ई-रिक्शा और 7 मोबाइल फोन व सिम कार्ड भी जब्त किए गए। साथ ही, पुलिस ने 2 देसी कट्टे, 1 पिस्टल और 5 ज़िंदा कारतूस भी बरामद किए।

डिप्टी कमिश्नर ने जालंधर में उचित ढंग से चुनाव करवाने के लिए जागरूक मतदाताओं तथा पूरे चुनाव स्टाफ का किया धन्यवाद

हिन्द जनपथ

जालंधर(ब्यूरो)। जालंधर के डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल द्वारा जिले में जिला परिषद तथा पंचायत समिति चुनावों को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण तथा पारदर्शी और सुचारू ढंग से करवाने के लिए जागरूक मतदाताओं, चुनाव तथा सुरक्षा अमले, उम्मीदवारों तथा राजनीतिक पार्टियों का धन्यवाद किया गया।

डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि सिविल तथा पुलिस प्रशासन द्वारा चुनावों के मद्देनजर पुख्ता प्रबंधों को यकीनी बनाया गया था, ताकि लोगों को अपने मतदान के अधिकार की प्रयोग करने के समय किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने जिले के जागरूक तथा बहादुर मतदाताओं का एक बार फिर धन्यवाद किया जिन्होंने एक बार फिर अपने मतदान की निष्पक्ष तथा निडर तरीके से प्रयोग करके शानदार परंपरा को कायम रखा।

उन्होंने बताया कि मतदान देने की प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई तथा किसी भी विधानसभा हलके के पोलिंग बूथ पर किसी भी तरह की अप्रिय घटना की कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई तथा मतदान का कार्य सुबह 8 बजे शुरू होकर शाम 4 बजे पूरा हुआ। उन्होंने फिर बताया कि जिला प्रशासन द्वारा जिले के 1209 पोलिंग बूथों पर निर्विघ्न तथा उचित ढंग से मतदान करवाने के लिए बड़े स्तर पर सिविल तथा पुलिस प्रशासन के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को तैनात किया गया था।

जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव: चुनाव ऑब्जर्वर द्वारा कलेक्शन केंद्रों का जायजा

हिन्द जनपथ

जालंधर(ब्यूरो)। जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने के बाद दोआबा कॉलेज जालंधर में बैलट बॉक्सों को रखने के लिए बनाए गए कलेक्शन केंद्र का चुनाव ऑब्जर्वर श्रीमती नयन द्वारा निरीक्षण किया गया। इस मौके पर जानकारी देते हुए श्रीमती नयन ने बताया कि जिले के जागरूक मतदाताओं और पूरे चुनाव अमले के बहुमूल्य सहयोग से आज जिला परिषद के 21 और 11 पंचायत समितियों के 188 जोनों के लिए बनाए गए 1209 पोलिंग बूथों पर मतदान का काम सुचारू ढंग से संपन्न हो गया है।

संत हरि पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव बना एकता और संस्कारों का संदेशवाहक

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। संत हरि पब्लिक स्कूल मनीमाजरा द्वारा "एकता में ताकत है" थीम के अंतर्गत विद्यालय का वार्षिक महोत्सव कलाग्राम चंडीगढ़ में बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेंद्र पाल मल्होत्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ भारतीय जनता पार्टी के चण्डीगढ़ स्टेट सेक्रेटरी श्री मनीष जी भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

कार्यक्रम में भारत विकास परिषद आईटी पार्क शाखा के अध्यक्ष श्री धर्मपाल शर्मा, कोऑर्डिनेटर श्री प्रमोद आहूजा, महिला जिला अध्यक्ष संदीप कौर,जिले से श्री शिवानंद मिश्रा, चंडीगढ़ के एडवोकेट श्री अजय कुमार शर्मा एवं श्रीमती हिमानी शर्मा सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री जितेंद्र पाल मल्होत्रा एवं स्कूल के चेयरमैन सरदार गुरुकबाल सिंह द्वारा संयुक्त रूप से ज्योति प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। बच्चों ने राष्ट्रीय एकता का संदेश देते हुए अत्यंत सराहनीय प्रस्तुतियां दीं।

वार्षिक महोत्सव के दौरान सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव पर आधारित प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसने उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों को सोचने पर मजबूर किया। वहीं सीनियर कक्षाओं की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत पंजाबी गिद्दा ने पूरे सभागार को तालियों से गूंजा दिया।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ सत्र 2025-26 के संत हरि पब्लिक स्कूल के वार्षिक उत्सव के रूप में किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सरदार अंतरजोत सिंह ने इस सफल आयोजन के लिए शिक्षकों की मेहनत की सराहना की और अभिभावकों को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ अपने अंदर छिपे हुनर को निखारने का संदेश दिया।

इस अवसर पर संत हरि पब्लिक स्कूल की कोऑर्डिनेटर श्रीमती राजवीर कौर ने विद्यालय प्रबंधन को इस सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं तथा भविष्य में भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए नई-नई गतिविधियां आयोजित करते रहने का आश्वासन दिया।

राष्ट्रीय रिफ्रेशर कोर्स ; वर्ल्ड गत्तका फेडरेशन द्वारा खिलाड़ियों के अनुशासनहीन व्यवहार पर ब्लैक कार्ड लागू

अंतरराष्ट्रीय मामलों के निदेशालय द्वारा गत्तका के वैश्विक विस्तार की कई योजनाएँ : फूल राज सिंह

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। गुरद्वारा बाबे के, चंडीगढ़ में शुरू हुए तीसरे राष्ट्रीय गत्तका रिफ्रेशर कोर्स में देश के विभिन्न राज्यों से तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया। नेशनल गत्तका एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य गत्तका खेल में तकनीकी मानकों को मजबूत करना, नियमों की समान व्याख्या सुनिश्चित करना और प्रतियोगिताओं के संचालन में पारदर्शिता बढ़ाना है।

इस कोर्स में विशेषज्ञों ने स्कोरिंग प्रणाली, फाउल मूल्यांकन, प्रतियोगिता योजना, आयोजन प्रबंधन और मैदान संचालन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर व्याख्यान दिए। गतका अधिकारियों ने व्यवहारिक सत्रों में भी हिस्सा लिया जिनमें उन्हें निर्णय लेने की क्षमता, नए नियमों का अनुपालन करने और टैक्निकल नियंत्रण को और निखारने का अवसर मिला।

वर्ल्ड गत्तका फेडरेशन के अध्यक्ष एडवोकेट हरजीत सिंह ग्रेवाल ने उद्घाटन सत्र में गत्तका खेल में अनुशासन क़ायम रखने को लेकर एक महत्वपूर्ण घोषणा की। गतका प्रोमोटर ग्रेवाल, जो कि नेशनल गत्तका एसोसिएशन ऑफ इंडिया के भी अध्यक्ष हैं, ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय गतका नियमावली में 'ब्लैक कार्ड' को चौथे फाउल कार्ड के रूप में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य तकनीकी अधिकारियों की गरिमा बनाए रखना, प्रतियोगिताओं के सुचारू संचालन और मुक़ाबले के दौरान खिलाड़ियों में अनुशासन सुनिश्चित करना है। इस दंड कार्ड का उपयोग किसी भी खिलाड़ी के अनुशासनहीन, अशोभनीय या अवांछनीय व्यवहार पर किया जाएगा।

इंटरनेशनल सिख मार्शल आर्ट काउंसिल के वाइस चेयरमैन सुखचैन सिंह क़लसानी ने कहा कि निरंतर प्रशिक्षण और क्षमता विकास निष्पक्ष खेल व्यवस्था बनाए रखने के लिए अनिवार्य है। गतका एसोसिएशन ऑफ चंडीगढ़ के चेयरमैन हरदीप सिंह बुट्रेला नगर पार्षद ने बोलते हुए बताया कि ऐसे रिफ्रेशर कोर्स अधिकारियों की दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ गत्तका खेल की वैश्विक विश्वसनीयता को भी मजबूत करते हैं।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के निदेशालय के चेयरमैन फूल राज सिंह ने वर्ल्ड गत्तका फेडरेशन की आगामी योजनाओं का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में विभिन्न देशों में राष्ट्रीय गत्तका फ़ेडरेशनों के गठन, तकनीकी अधिकारियों के लिए उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रमों के विस्तार और अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन की दिशा में कदम तेज़ किए जाएंगे। फूल राज सिंह ने बताया कि ये प्रयास गत्तका खेल को विश्व खेल मंच पर अधिक प्रभावी रूप से स्थापित करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण होंगे।

इस रिफ्रेशर कोर्स में सप्ताहांत तक कार्यशालाएँ, प्रायोगिक सत्र, मूल्यांकन और प्रशिक्षण के लिए मुक़ाबले आयोजित किए जाएंगे जिनसे सर्टिफ़ाइड अधिकारियों की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपयोगिता और तैयारियों को मजबूत किया जाएगा।

इस मौके पर नेशनल गतका एसोसिएशन के महासचिव हरजिंदर कुमार, गतका एसोसिएशन ऑफ पंजाब के संयुक्त सचिव बलजीत सिंह सैनी, नेशनल कोऑर्डिनेटर हरसिमरन सिंह और स्टेट कोऑर्डिनेटर शेरी सिंह, नरिंदरपाल सिंह सीनियर रेफरी, नरिंदरपाल सिंह जॉइंट सेक्रेटरी हरियाणवी गतका एसोसिएशन और शिव कुमार भी मौजूद थे।

संपादकीय

पाबंदी की राह, क्या वास्तव में सोशल मीडिया के संजाल से बच्चे बच सकेंगे?

आधुनिक तकनीकी के दौर में इंटरनेट पर मौजूद किसी मंच पर पहुंचने के लिए कुछ बच्चे भी जिस तरह वैकल्पिक और उचित-अनुचित रास्ता निकाल लेते हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि इंटरनेट की सुविधा ने दुनिया के दायरे को बहुत छोटा बना दिया है, लेकिन इसके समांतर एक सच यह भी है कि आभासी दुनिया में सोशल मीडिया के बहुतेरे मंचों पर सीमाओं से परे लोगों के बीच संवाद का विस्तार हुआ है, तो यथार्थ के धरातल पर लोग एक-दूसरे से दूर भी होते गए हैं।यह बहुत संभव है कि आस-पड़ोस के बच्चे सोशल मीडिया के किसी मंच पर तो आपस में दोस्त हों, संवाद करते हों और साथ में कोई गेम खेलते हों, लेकिन वास्तव में वे कभी नहीं मिलते। यानी आभासी दुनिया में बच्चों का दायरा विस्तृत होता है, लेकिन यथार्थ के धरातल पर वे अकेले होते हैं। ऐसे में बिना आहट के एकाकीपन का दंश बच्चों के भीतर उतरता है, जो उन्हें आत्मघाती अवसाद के घेरे में ला दे सकता है। किसी एप के संजाल में फंसे बच्चों के मनोवैज्ञानिक परेशानियों का शिकार होने से लेकर आत्महत्या करने तक की खबरें आती रही हैं।दुनिया भर में सोशल मीडिया पर अति-सक्रियता के मानसिक और शारीरिक दुष्प्रभावों के मद्देनजर बच्चों के लिए इसके इस्तेमाल पर रोक लगाने या सीमित करने के सुझाव सामने आते रहे हैं। इस क्रम में आस्ट्रेलिया ने एक ठोस पहल करते हुए अपने यहां सोलह वर्ष से कम के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर बुधवार से पाबंदी लागू कर दी है। हालांकि संदेश भेजने और गेम खेलने वाले कुछ मंचों को इस प्रतिबंध से अलग रखा गया है। आस्ट्रेलिया में इस सख्त नियम के लागू होने के बाद बच्चों को उनका बचपन वापस मिलने की उम्मीद की जा रही है, लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि प्रतिबंध के लागू होने का स्वरूप क्या है।

ऑपरेशन सिंदूर के 'रील वर्जन' धुरंधर से आखिर क्यों डर गये कुछ मुस्लिम देश?

असली सवाल पाकिस्तान से भी बड़ा है। भारत के दोस्त कहे जाने वाले खाड़ी देश आखिर पाकिस्तान की राय से इतने प्रभावित क्यों हैं कि उन्होंने फिल्म को सीधे-सीधे बैन कर दिया? यह वही खाड़ी देश हैं जिनके साथ भारत आज रणनीतिक साझेदारी, ऊर्जा सहयोग, व्यापार और सुरक्षा रिश्ते मजबूत कर चुका है। हिंदी फिल्म धुरंधर को लेकर जो बवंडर उठा है, वह सिर्फ एक फिल्म का विवाद नहीं है बल्कि यह उस बदलती दुनिया की कहानी है जहाँ भारत का पक्ष मज़बूती से उभर रहा है और कुछ देशों को यह हक़ीक़त पच नहीं रही है। सबसे पहले एक बात साफ है कि धुरंधर कोई फ़ैंटेसी नहीं है, यह एक रील रूप है उस हकीकत का, जिसे भारत ने ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई के जरिए दुनिया के समक्ष रखा है। यही वजह है कि पाकिस्तान और उसके समर्थकों के दिल में यह फिल्म काँटे की तरह चुभ रही है।

(नीरज कुमार दुबे)

असली सवाल पाकिस्तान से भी बड़ा है। भारत के दोस्त कहे जाने वाले खाड़ी देश आखिर पाकिस्तान की राय से इतने प्रभावित क्यों हैं कि उन्होंने फिल्म को सीधे-सीधे बैन कर दिया? यह वही खाड़ी देश हैं जिनके साथ भारत आज रणनीतिक साझेदारी, ऊर्जा सहयोग, व्यापार और सुरक्षा रिश्ते मजबूत कर चुका है। फिर सिर्फ इसलिए कि एक फिल्म पाकिस्तान के इस्लामवादी ढांचे को बेनकाब करती है, वह भारत के पक्ष की बजाय पाकिस्तान के दबाव में क्यों झुक गए? क्या दोस्ती इतनी कमजोर थी? या यह डर कहीं गहरा बैठा है कि भारत का मजबूत नैरेटिव मुसलमानों के नाम पर राजनीति चलाने वाले देशों को असुविधा में डाल देता है? खाड़ी देशों की यह स्थिति एक और सच्चाई उजागर करती है कि भारत जब अपने मन की कहानी कहने लगता है, तो दुनिया के कई शक्ति-केन्द्र असहज होने लगते हैं। चूंकि यह कहानी अब किसी पश्चिमी देश ने नहीं, बल्कि

भारत ने लिखी है और वह भी बेबाकी के साथ इसलिए इसे 'संवेदनशील', 'विवादास्पद' और 'राजनीतिक' कहकर दबाने की कोशिश हो रही है। देखा जाये तो हॉलीवुड की फिल्में जब नाज़ियों पर चलती थीं या आतंकियों पर बनती थीं, तब किसी को समस्या नहीं थी। पर किसी खाड़ी देश ने बैन नहीं लगाया। लेकिन जैसे ही भारत उसी भाषा में अपना सच बोलता है तो कुछ देशों को मानो बुखार चढ़ जाता है। असल बात यह है कि अगर रील में दिखाई गई भारत की शक्ति से ही इतनी घबराहट है, तो असली भारत का सामना करने का साहस कहाँ से आएगा? आज का भारत वह नहीं रहा जिसे डराया जा सके या जिसकी आवाज़ रोकी जा सके। यह नया भारत अपने सैनिक अभियान भी दिखाता है, आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति भी स्पष्ट रखता है और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर किसी के लिहाज में झुकता नहीं। खाड़ी देशों को यह समझ लेना चाहिए कि इस भारत के साथ खड़ा होना फायदे का सौदा है और पाकिस्तान जैसे असफल, कट्टरतावादी ढाँचे को खुश करने के लिए भारत से दूरी बनाना भविष्य में उन्हें और महंगा पड़ेगा। फिल्म धुरंधर को लेकर जो हंगामा हो रहा है, वह यह साबित करता है कि पाकिस्तान का नैरेटिव अब कमजोर हो रहा है और भारत का नैरेटिव ताकत पकड़ रहा है। वह देश जो पाकिस्तान के पारंपरिक प्रभाव में थे, वह इस बदलाव को देखकर घबराए हुए हैं। लेकिन घबराहट से ज्यादा यह उनकी कमजोरी दिखाती है क्योंकि सच्चाई से डरने वाले ही आवाज़ों को दबाते हैं। दूसरी ओर, भारत को इस बहिष्कार से विचलित होने की जरूरत नहीं है। बल्कि यह तो संकेत है कि भारत की सांस्कृतिक और रणनीतिक ताकत सीधे सही जगह चोट कर रही है। अगर सिर्फ एक फिल्म से इतनी बेचैनी है, तो भारत के वास्तविक संकल्प और शक्ति का असर कितना गहरा होगा, यह दुनिया अच्छी तरह समझ चुकी है। चलने वाले देशों को एक सलाह है कि डरते रहिए। क्योंकि नए भारत की राह में अब न आपका नैरेटिव चलेगा, न आपकी शर्तें। अब भारत अपनी कहानी खुद लिखता है और पूरी दुनिया उसे सुनने को मजबूर है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

हम चेतना हैं जिसका स्वभाव आनंद है

(सुंदरचंद ठाकुर)

मनुष्य का सबसे बडा भ्रम यही है कि वह खुद को वही मान लेता है जो बदलता रहता है - शरीर, भावनाएं, विचार। और जब बदलने वाली चीजों को हम अपनी पहचान मान लेते हैं, तो दुख बन जाता है हमारी नियति। पर सच यह है कि हम शरीर नहीं हैं, मन नहीं हैं, भावनाएं नहीं हैं। हम वह चेतना हैं जो इन सबको देख रही है। इस बात को मानना आसान नहीं। इसे समझने के लिए उदाहरणों की जरूरत है। सबसे पहला उदाहरण - फिल्म का पर्दा। जब आप सिनेमाघर में बैठकर फिल्म देखते हैं, तो पर्दे पर कभी युद्ध होता है, कभी प्रेम, कभी हंसी, कभी दुख। पर क्या पर्दा जलता है? क्या पर्दा रोता या हंसता है? नहीं। पर्दा केवल देखने का आधार है। उसी तरह हमारे भीतर की चेतना पर्दे की तरह है। भावनाएं और विचार फिल्म की तरह आते-जाते हैं। पर हम उनसे जख्मी तभी होते हैं जब हम खुद को फिल्म समझ लेते हैं, पर्दा नहीं। बादल आते हैं, काले भी, सफेद भी। तूफान भी आता है, इंद्रधनुष भी। पर आकाश पर कोई असर नहीं होता। क्या आकाश कभी कहता है कि मैं दुखी हूं, क्योंकि बादल काले हैं? नहीं। उसी तरह चेतना पर कोई भाव स्थायी छाप नहीं छोड़ता। दुख बादल है, आप आकाश हैं।

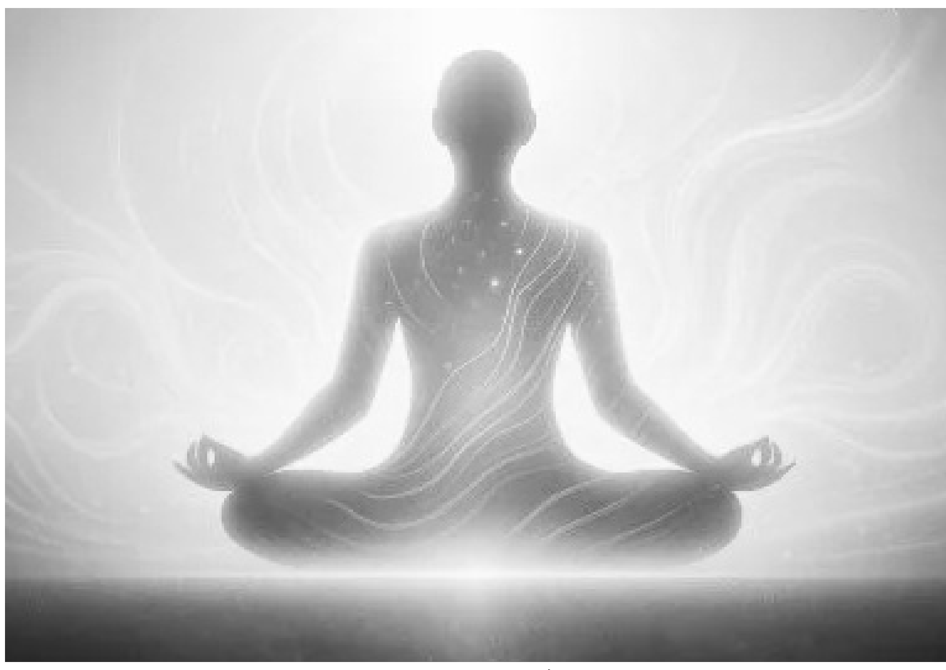

तीसरा उदाहरण है घर के भीतर का स्पेस और बाहर का आकाश। जब हम एक घर बनाते हैं, तो दीवारों के भीतर भी स्पेस रहता है और बाहर भी। दोनों स्पेस एक ही होते हैं। अंतर सिर्फ इतना है कि एक सीमित लगता है और दूसरा असीम। हमारे शरीर के भीतर की चेतना उसी कमरे के स्पेस की तरह है। कमरे को तोड़ दो तो कमरे के भीतर का स्पेस बाहर के स्पेस से मिल जाता हे। वैसे ही जब मृत्यु होती है तब शरीर के भीतर की चेतना उसी असीम चेतना में मिल जाती है जिससे वह आई थी। इसलिए मृत्यु अंत नहीं, परिवर्तन है। अब इसका व्यावहारिक मतलब क्या है? यदि हम चेतना हैं, तो दुख क्यों होता है? दुख इसलिए होता है क्योंकि हम अपने भीतर उठने वाली हर भावना को 'मैं' कहकर पकड़ लेते हैं। यदि गुस्सा आता है, तो हम कहते हैं मैं गुस्से में हूं। यदि दुख उठता है, तो कहते हैं मैं दुखी हूं। लेकिन सच यह है कि गुस्सा आया है, पर मैं गुस्सा नहीं हूं। दुख आया है, पर मैं दुख नहीं हूं। जैसे समुद्र पर लहरें उठती हैं पर समुद्र लहर नहीं बन जाता, वैसे ही चेतना भावनाएं होकर भी भावनाओं में नहीं बदलती। हम दुख से तभी निकल सकते हैं जब हम भीतर से यह पहचानने लगें कि अनुभव हो रहा है, पर अनुभव करने वाला उससे अलग है। यही साक्षी भाव है। और साक्षी का दुख में मिलना असम्भव है। आप सुबह कुछ देर केवल यह देखने का अभ्यास करें कि कौन सोच रहा है। विचार आएंगे,जाएंगे, पर आप देखेंगे कि सोचने वाला और विचार एक नहीं हैं। धीरे-धीरे अनुभव होगा कि आप अपने मन के मालिक हैं, मन आपकी पहचान नहीं है। जब यह पहचान गहरी हो जाती है, तब जीवन के दुख सचमुच कमजोर पड़ जाते हैं। दुनिया वही रहती है, लोग वही रहते हैं, परिस्थितियां वही रहती हैं पर भीतर एक शांत प्रकाश जल उठता है, जो कहता है मैं बदलने वाली चीजों में नहीं फंसूंगा, क्योंकि मैं वह हूं जो कभी नहीं बदलता।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

वर्ग पहेली 5943

1		2		3	4	■	■
	■		■	5		6	■
7	8		■		■	9	10
11		■	12		13		
14		15		■	16		
	■	17		■		■	■
18	19	■	■	20	■	21	22
■	23					■	

संकेतः बाएं से दाएं

1. इंदौर में जन्मी (18 अप्रैल 1916)ये मशहूर खल अभिनेत्री जिनकी पहली वाक फिल्म थी हिम्मत-ए-मर्द जो 1935 में बनी थी (6)
5. काव्यमर्मज्ञ, रसपान करने वाला, काव्य रस से आनंदित होने वाला (3)
9. कच्चे आम या इमली से बना हुआ खट्ठा-मीठा पदार्थ (2)
11. देह, जिस्म, शरीर, तन (2)
12. मूर्तिगृह, बुतखाना (5)
14. आज्ञापत्र, अस्थायी राजकीय आज्ञा (4)
16. ग्रीन देश को यह भी कहते है (2)
17. बराबर, तुल्य (2)
18. भास्कर, दिनपति, एक दिवंगत फिल्म संगीतकार (2)
21. ऋग्वेद के अनुसार एक प्रकार का पेय जा देव दानव दोनों को प्रिय था (2)
22. उन्नति करने वाला, प्रगति करने वाला (5)

ऊपर से नीचे

1. बिना सोचे-समझे पुराने ढर्रो या ढ़ंग पर चलने वाला (7)
2. भवसागर के पार उतरने वाला, सद्गति प्राप्त करने वाला (3)
3. झरोखा, खिड़की (4)
4. सुमात्रा द्वीपों में होने वाली एक प्रकार की घास, ताश के खेल का एक प्रकार (2)
6. सहसा तेजी से आगे बढ़ना (3)
8. गीड़ को यह भी कहते है (3)
9. नासमझ, भोला (3)
12. बलमा, प्रेमी, साजन (3)
13. मोर, हमारा राष्ट्रीय पक्षी (2)
15. तीस दिन का समय, महीना, माह (2)
19. ब्रह्मण, पुरोहित (2)
20. यह बनारस या वाराणसी का प्राचीन नाम है (3)
22. साधू, महात्मा के रहने का स्थान (2)

वर्ग पहेली 5942 का हल

अं	त	रि	क्ष	■	■	प्या	र
ग	ला	■	मा	■	अं	दा	ज
र	क	बा	■	ला	गू	■	नी
क्ष	■	जा	न	व	र	■	श
क	स	र	त	■	■	खु	■
■	ह	■	न	म	क	दा	नी
ना	म	क	■	क	■	दा	म
का	ति	ब	■	र	स	द	■

दूसरा पहलू-नाम के संकट ऐसे होते हैं

(लव गौर)

पश्चिम बंगाल में दो-दो हुमायूं कबीर को लेकर अफरा-तफरी मची है। दोनों ही तृणमूल कांग्रेस से विधायक हैं। एक ही नाम होने के कारण डेबरा के विधायक पूर्व आईपीएस हुमायूं कबीर को कुछ दिनों से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है शेक्सपियर ने कहा था कि 'नाम में क्या रखा है' और कई मायने में यह कथन सच लगता है, लेकिन पश्चिम बंगाल में इन दिनों यह उक्ति मिथ्या साबित हो रही है। यहां नाम को लेकर राजनीति गरमा गई है। पश्चिम बंगाल में दो-दो हुमायूं कबीर को लेकर अफरा-तफरी मची है। मजे की बात है कि दोनों ही हुमायूं कबीर तृणमूल कांग्रेस के नेता हैं और दोनों ही विधायक भी। एक हुमायूं कबीर हैं भरतपुर के विधायक, जो मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में बीते छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद की नींव रखने के बाद चर्चा में बने हुए हैं और दूसरे हुमायूं कबीर हैं डेबरा के विधायक, जो पहले भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में थे। डेबरा वाले पुलिस सेवा से राजनीति में आए और तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए। भरतपुर वाले ने कांग्रेस की टिकट पर विधानसभा पहुंचने के बाद तृणमूल का दामन थामा था। एक ही नाम होने के कारण डेबरा वाले हुमायूं कबीर को बीते दो-तीन दिनों से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनकी फोन की घंटी लगातार बज रही है और वह यह बताते-बताते थक से गए हैं कि मैं बाबरी मस्जिद वाला हुमायूं कबीर नहीं हूं। दरअसल, भरतपुर के विधायक ने छह दिसंबर को बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की नींव रखी थी और इसके निर्माण के लिए लोगों से 'क्यूआर कोड' के जरिये आर्थिक मदद देने का आग्रह किया था। जिन्हें नहीं मालूम कि बंगाल में हुमायूं कबीर नाम के दो-दो विधायक हैं, वे मस्जिद निर्माण में आर्थिक सहयोग देने के लिए लगातार डेबरा वाले विधायक को फोन कर 'क्यूआर कोड' या 'गूगल-पे नंबर' या 'बैंक अकाउंट नंबर' मांग रहे हैं। डेबरा विधायक ने बताया कि एक जैसा नाम होने के कारण बीते तीन दिनों में 300 से अधिक लोगों ने चंदा देने की इच्छा से उन्हें फोन किया। ये फोन बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मुंबई, हरियाणा, राजस्थान और विदेशों से भी आ रहे हैं। अब भी अजनबियों के फोन आ रहे हैं। पूर्व आईपीएस और मौजूदा विधायक हुमायूं कबीर ने बताया कि लगातार फोन और संदेश का जवाब देने में बहुत मुश्किल हो रही है। उन्हें बार-बार समझाना पड़ रहा है कि वह मुर्शिदाबाद वाले हुमायूं कबीर नहीं हैं। वह सफाई देते फिर रहे हैं कि उनका नाम भी हुमायूं कबीर है, लेकिन उन्हें तृणमूल कांग्रेस से निलंबित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि स्थिति थोड़ी अजीब हो गई है, लेकिन वह विनम्रतापूर्वक लोगों को सही नंबर ढूंढने और भरतपुर वाले हुमायूं कबीर से संपर्क करने की सलाह दे रहे हैं। उन्होंने फेसबुक पर पोस्ट भी लिखा कि मंदिर और मस्जिद राजनीतिक अखाड़ा नहीं, बल्कि प्रार्थना व पूजा के स्थल हैं।

आज का राशिफल

मेष
आज आपके अन्दर भोग विलास की भावना बढ़ेगी। आप धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सहयोग करेंगे, यदि आप व्यापार कर रहे हैं तो आपके व्यापार में आज कुछ नये परिवर्तन होंगे जिससे आगे चलकर आपको लाभ होगा। सायंकाल से लेकर रात्रि तक आप अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेष्ट रहें।

वृष
आज आपके जीवन विघ्न बाधाएं आ सकती है। सांसारिक सुख भोग और नौकर चाकरों से असहयोग से परेशानी रहेगी। परिवार की तरफ से भी वांछित समाचार मिलने के संकेत नहीं है। सायं काल कुछ धैर्य बंधेगा, पड़ोसी सहयोग करेंगे।

तुला
अधिक परिश्रम करने के कारण स्वास्थ्य कुछ नरम रहेगा। राज्य और समाज की ओर से वांछित सहयोग मिलेगा, परिवार की तरफ से भी शुभ समाचार मिलने के संकेत हैं। यदि आप नौकरी करते हैं तो आपके अधिकारों में वृद्धि होगी। उत्तरदायित्व बढ़ेगा। सब लोग आपके साहस और पराक्रम की प्रशंसा करेंगे।

वृश्चिक
आज का दिन मिश्रित फल कारक है। आपको पेट एवं वायु से संबंधित कष्ट होने की संभावना रहेगी। ऐसे अनावश्यक खर्चे सामने आयेंगे जो आपकी खिन्नता को बढ़ा देंगे। सायंकाल के समय कोई खुशखबरी मिलने से आपका उत्साह बढ़ेगा।

मिथुन
आज आपमें अपने कार्य के प्रति लगन रहेगी एवं रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। आप नए-नए कार्यों में विनियोग करेंगे। आपके परिवार में मनमुटाव की स्थिति रहेगी। सायंकाल के समय वाहन खराब होने से अकस्मात् खर्चा बढ़ेगा।

कर्क
आज आप अधिकांश क्रियाकलापों में लिप्त रहेंगे। इस समय में अध्यात्म से तत्व ज्ञान की वृद्धि होगी। सायंकाल से देर रात तक आपकी भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। आपकी बुद्धि विवेक, नए-नए कार्यों की खोज करने में लगेगी। आप दूसरों की कमियां ढूंढना छोड़ दें तो आज आपकी शान में चार चांद लग सकता है।

धनु
आज का दिन धर्म अध्यात्म में वृद्धि करेगा। कुछ समय सामाजिक क्रियाकलापों में भी लगेगा। आपके भौतिक सुख सुविधाओं में कुछ कमी आ सकती है। यदि आप अपने मन की बात को शीघ्र दूसरों से उजागर न करें तो रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। षष्ठम भाव में बृहस्पति आपके स्वास्थ्य में गड़बड़ कर सकता है।

मकर
आज आपके निर्णय लेने की क्षमता से आपको लाभ करायेगा। यदि आपका कोई विवाद राज्य में या समाज में लंबित हो तो उनमें सफलता मिलने की पूर्ण संभावना रहेगी। धन का लाभ होगा। सायंकाल से लेकर देर रात्रि तक का समय ईश्वर भक्ति, तप, यज्ञ, पुण्य कार्यों में लगेगा।

सिंह
आज का दिन आपको बहुमूल्य वस्तु से लाभ प्राप्त हो सकता। अपनी शान शौकत के लिए धन का व्यय करेंगे, गरीबों की सहायता और अपनी वाक् पटुता, कार्य कुशलता से दूसरे व्यक्तियों को अपनी ओर आकृष्ट करने में सक्षम रहेंगे। सायंकाल से लेकर देर रात्रि तक आपकी रुचि धर्म-अध्यात्म में लगेगी।

कन्या
आज का दिन राज्य विजय कारक है। आपके प्रभाव प्रताप में वृद्धि होगी। सायंकाल से लेकर देर रात्रि तक ऐसे अनावश्यक खर्चे सामने आयेंगे जो कि चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे। संभलकर वाहन चलाएं, गुस्से पर काबू रखें। विवाद न करे।

कुंभ
आज का दिन आपके लिए भविष्य की नवीन संभावनाओं को लेकर आ रहा है। आपकी रुचि आध्यात्मिक, आपके अच्छे कर्मों से आपके खानदान का नाम ऊँचा होगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से कार्य में सफलता मिलेगी। सायंकाल का समय गाने बजाने संगीत और सैर सपाटे में बीतेगा।

मीन
आज मानसिक अशांति खिन्नता एवं उदासीनता के कारण आप भटक सकते हैं। आपकी संतान व पत्नी के प्रति प्रेम भावना बढ़ेगी। यदि आपका प्रमोशन होने वाला है तो अवश्य प्राप्त होगा। आपको आकस्मिक चिन्ता होने की संभावना है। जिससे आप अपनी वाक् पटुता से शीघ्र ही दूर कर लेंगे।

चांदी ने तोड़े अब तक के सारे रिकॉर्ड, पहली बार 2 लाख के पार

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी की कीमत का रोमांचक सफर

नई दिल्ली, एजेंसी।
बीते सप्ताह चांदी की कीमतों में जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखने को मिला जिसने निवेशकों को चौंका दिया। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को इस कीमती धातु ने मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर नया इतिहास रचा। यह पहली बार 2 लाख प्रति किलोग्राम के ऐतिहासिक आंकड़े को पार कर गई। हालांकि इस रिकॉर्ड ऊंचाई को छूने के तुरंत बाद चांदी की कीमतों में अचानक क्रैश आया और यह एक झटके में अपने हाई से 9,000 से भी ज्यादा सस्ती हो गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर शुक्रवार को चांदी की कीमत गिरावट के साथ 1,97,705 प्रति किलोग्राम पर खुली थी।

रिकॉर्ड हाई: खुलने के बाद चांदी की कीमत तेजी से चढ़ी और कारोबार के दौरान इसने पहली बार 2,01,615 प्रति किलो का नया लाइफ टाइम हाई छू लिया।

अचानक क्रैश: इस शिखर को छूने के बाद कीमतों में अचानक तेज गिरावट आई और यह एक झटके में 11,538 टूटकर 1,90,077 पर आ गई।

सप्ताह का बंद भाव: हालांकि बाज़ार बंद होते-होते इसमें कुछ रिकवरी दिखी लेकिन यह अपने हाई से 9,000 से अधिक सस्ती होकर 1,92,615 पर बंद हुई।

इस महीने चांदी की चमक

इस महीने की शुरुआत से लेकर अब तक चांदी की कीमतों में बड़ा उछाल आया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी का भाव 1,82,030 प्रति किलोग्राम था। शुक्रवार के बंद भाव से तुलना करें तो इस महीने अब तक चांदी की कीमत में 10,585 का उछाल आया है। इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, घरेलू मार्केट में चांदी की चमक बरकरार रही है।

42 से निवेश की शुरुआत, फ्यूचर की नहीं रहेगी टेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की एक ऐसी भी योजना है जिसमें मामूली निवेश पर भी बुढ़ापे के लिए पेंशन का इंतजाम हो जाता है। यह अटल पेंशन योजना है। केंद्र की मोदी सरकार ने 9 मई 2015 को अटल पेंशन योजना की शुरुआत की थी, जिसे 1 जून 2015 से लागू किया गया। शुरू में यह योजना 18 से 40 वर्ष की आयु के सभी भारतीय नागरिकों के लिए उपलब्ध थी। हालांकि, 1 अक्टूबर 2022 से आयकरदाताओं को योजना से अयोग्य घोषित किया गया। यह योजना अपने अंशदान के आधार पर 60 वर्ष की आयु में ग्राहकों को एक निश्चित मासिक पेंशन प्रदान करती है। योजना के तहत उपलब्ध पेंशन स्लैब: 1000 रुपये, 2000 रुपये, 3000 रुपये, 4000 रुपये और 5000 रुपये प्रति माह है। इसमें न्यूनतम अंशदान अवधि 20 वर्ष है , जो शामिल होने की आयु पर निर्भर करती है। यदि कोई ग्राहक 18 वर्ष की आयु में इसमें शामिल होता है तो उसे 42 रुपये से 210 रुपये प्रति माह का योगदान करना होगा। वहीं, 40 वर्ष की आयु में शामिल होता है तो उसे 291 रुपये से 1454 रुपये प्रति माह का योगदान करना होगा। बता दें कि मासिक, त्रैमासिक या अर्धवार्षिक आधार पर प्रीमियम का भुगतान किया जा सकता है। योजना के तहत ग्राहक को 60 वर्ष की उम्र से मृत्यु तक 1000 रुपये से 5000 रुपये तक आजीवन पेंशन मिलता है। ग्राहक की मृत्यु की स्थिति में उसके पति/प प्रतिशती को पेंशन मिलती है या फिर नॉमिनी को रकम दी जाती है। अटल पेंशन योजना के तहत ग्राहक आयकर अधिनियम की धारा 80सीसीडी के तहत कटौती के लिए पात्र हैं। 60 वर्ष की आयु से पहले निकास के लिए केवल मृत्यु या असाध्य रोग की स्थिति में ही अनुमति मिलती है। स्वैच्छिक निकास की अनुमति है लेकिन ग्राहक को केवल किया गया अंशदान (ब्याज सहित) प्राप्त होता है और सरकारी सह-अंशदान (यदि कोई हो) जब्त हो जाता है।

शिपरॉकेट ने सेबी के पास आईपीओ के लिए कागजात जमा किए

नई दिल्ली, एजेंसी। टेमासेक समर्थित ई-कॉमर्स मंच शिपरॉकेट ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से 2,342 करोड़ रुपए से अधिक जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष अद्यतन मसौदा दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी द्वारा पेश प्रारंभिक दस्तावेज के के अनुसार, आईपीओ... नई दिल्ली, एजेंसी। टेमासेक समर्थित ई-कॉमर्स मंच शिपरॉकेट ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से 2,342 करोड़ रुपए से अधिक जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष अद्यतन मसौदा दस्तावेज दाखिल किए हैं।

सोने में तेजी बरकरार, घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में अब तक 67 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के फेडरल रिजर्व की ओर से प्रमुख ब्याज दर को 0.25 प्रतिशत घटाए जाने के बाद सोने और चांदी में निवेश बढ़ा है। इस साल घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में अब तक 67न्न की बढ़ोतरी देखी गई है। सोने में तेजी का दौर बरकरार है। 13 दिसंबर की सुबह राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट गोल्ड का भाव 133360 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। मुंबई में कीमत 133210 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। उछाल का कारण मुख्य रूप से भारतीय करेंसी रुपये की कमजोरी और सेफ एसेट में लगातार निवेश की मांग है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का हाजिर भाव 4,338.40 डॉलर प्रति औंस पर है।

***मुंबई, चेन्नई और कोलकाता-** वर्तमान में मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में 22 कैरेट सोने की कीमत 122110 रुपये प्रति 10 ग्राम, जबकि 24 कैरेट सोने की कीमत 133210 रुपये प्रति 10 ग्राम है।*

***पुणे और बेंगलुरु में कीमत-** इन दोनों शहरों में 24 कैरेट गोल्ड की कीमत 133210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 122110 रुपये प्रति 10 ग्राम है। अमेरिका के फेडरल रिजर्व की ओर से प्रमुख ब्याज दर को 0.25 प्रतिशत घटाए जाने के बाद सोने और चांदी में निवेश बढ़ा है। प्रमुख ब्याज दर घटने से बॉन्ड पर यील्ड कम होने की संभावना रहती है, जिससे निवेशक सोने-चांदी जैसे सेफ एसेट में निवेश बढ़ाते हैं। इस साल घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में अब तक 67 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर वैश्विक परिस्थितियां और रुपये-डॉलर की दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो 2026 में सोने की कीमत 5 प्रतिशत से 16 प्रतिशत और चढ़ सकती है।*

करोड़ों ग्राहकों को नए साल से पहले दिया झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहकों की ईएमआई अब कम हो जाएगी। लेकिन इसके साथ-साथ ही बैंक ने फिक्सड डिपॉजिट के चुनिंदा पीरियड पर मिलने वाले रिटर्न की भी कटौती की है। बैंक की तरफ से एफडी की नई दरें 15 दिसंबर से प्रभावी हो जाएंगी। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने 2 से साल अधिक और तीन साल से कम के पीरियड के लिए ब्याज दरों को घटाया है। सामान्य नागरिकों के लिए ब्याज दरों को 6.45 प्रतिशत से घटाकर 6.40 प्रतिशत कर दिया है। वहीं, सीनियर सिटीजन के लिए यह 6.95 प्रतिशत से घटाकर 6.90 प्रतिशत कर दिया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अमृत वृष्टि फिक्स डिपॉजिट के ब्याज दरों में भी कटौती की है। यह फिक्स डिपॉजिट 444 दिन के लिए किए जाता है। बैंक ने सामान्य नागरिकों के लिए ब्याज दरों को 6.60 प्रतिशत से घटाकर 6.40 प्रतिशत कर दिया है। बता दें, अमृत वृष्टि एफडी के नए रेट्स भी 15 दिसंबर 2025 से लागू हो जाएंगे। सीनियर सिटीजन को अमृत वृष्टि एफडी स्कीम पर इस समय 7.10 प्रतिशत का ब्याज मिलता है। जिसे एसबीआई ने घटाकर 6.95 प्रतिशत कर दिया है। वहीं, सुपर सीनियर सिटीजन को अमृत वृष्टि के तहत 15 दिसंबर से 7.20 प्रतिशत की जगह 7.10 प्रतिशत ब्याज ही मिलेगा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने सभी कार्यकाल के लिए एमसीएलआर में भी 5 बेसिस प्वाइंट की कटौती की है। एक साल के एमसीएलआर को 8.75 प्रतिशत से घटाकर 8.70 प्रतिशत कर दिया गया है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की है। इससे मौजूदा और नए कर्जधारकों के लिए लोन सस्ता हो गया है। रिजर्व बैंक के इस महीने रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की कटौती के बाद बैंक ने यह कदम उठाया है। इस कटौती के साथ, एसबीआई ने ईबीएलआर को 0.25 प्रतिशत घटकर 7.90 प्रतिशत हो जाएगी। बता दें, एसबीआई ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि संशोधित दरें 15 दिसंबर, 2025 से प्रभावी होंगी।

संस्थागत निवेशक बड़े आईपीओ में जमकर लगा रहे पैसा

मिल रहा अच्छा रिटर्न; क्यूआईबी लगाया 1.97 गुना ज्यादा पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू आईपीओ में बड़े आईपीओ को मिल रहे जबरदस्त रिस्पांस के पीछे संस्थागत निवेशक हैं। ये निवेशक हर बड़े इश्यू में जमकर पैसा झोंक रहे हैं। इसका उदाहरण इस बात से भी मिलता है कि ज्यादातर कंपनियों के निर्गम इन्हीं की बदौलत सफल हो रहे हैं। इसके कारण छोटे और खुदरा निवेशक भी निवेश कर रहे हैं।

16 दिसंबर को बंद होने वाले 10,600 करोड़ के इश्यू में पहले दिन ही क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बॉयर्स (क्यूआईबी) ने 1.97 गुना ज्यादा पैसा लगाया है। एनआईआई ने 0.37 गुना पैसा लगाया है। इसे पहले दिन 5,490 करोड़ रुपये की बोलियां प्राप्त हुईं। इस आईपीओ में एंकर निवेशकों यानी बड़े निवेशकों ने 3,021 करोड़ रुपये लगाए जबकि आईपीओ खुलने से दो दिन पहले 4,815 करोड़ रुपये लगाए गए थे।

यह निवेश एसबीआई, बिड़ला, ब्लैकरॉक, जेपी मॉर्गन जैसे निवेशकों ने किया। इससे पता चलता है कि बेहतर कंपनियों में बड़े निवेशक जमकर पैसा लगा रहे हैं। बड़े आईपीओ में 5,421 करोड़ के मीशो में क्यूआईबी ने अपने हिस्से की तुलना में 123 गुना पैसा लगाया है। गैर संस्थागत निवेशकों यानी एनआईआई ने 39 गुना पैसा लगाया है। 3,600 करोड़ के टेनेको में क्यूआईबी ने 174 गुना और एनआईआई ने 42 गुना ज्यादा निवेश किया है। 6,000 करोड़ से ज्यादा जुटाने वाली ग्रो में क्यूआईबी ने 22 गुना और एनआईआई ने 14 गुना ज्यादा पैसा लगाया। महंगे मूल्य को लेकर सवालों में घिरे 7,278 करोड़ वाले लेंसकार्ट में क्यूआईबी ने 40 गुना और एनआईआई ने 18 गुना ज्यादा पैसा लगाया।

एक लाख करोड़ से ज्यादा होगा मूल्य

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल देश की पांचवीं फंड हाउस कंपनी होगी जो बाजार में सूचीबद्ध होगी। सूचीबद्ध होने के बाद इसका मूल्य 1.07 लाख करोड़ रुपये होगा। एसेट अंडर मैनेजमेंट के लिहाज से यह दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है जो 10 लाख करोड़ रुपये है।

4 कंपनियां इस हफ्ते एक्स-बोनस ट्रेड करेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। बोनस शेयर पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए यह हफ्ता काफी व्यस्त रहेगा। चार कंपनियां इस हफ्ते एक्स-बोनस ट्रेड करेगी। इसमें से एक कंपनी एक शेयर पर 4 बोनस शेयर भी दे रही है।

यह कंपनी 19 दिसंबर 2025 को एक्स-बोनस ट्रेड करेगी। कंपनी ने एक शेयर पर 4 शेयर बोनस देने का फैसला किया है। शुक्रवार को मार्केट के बंद होने के समय पर यूनिफिंज कैपिटल इंडिया लिमिटेड के शेयरों का भाव शुक्रवार को 5.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 539.85 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

शुक्रवार को 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2872.90 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। 19 दिसंबर 2025 को यह कंपनी भी एक्स-बोनस ट्रेड करेगी। कंपनी ने एक शेयर पर एक शेयर बोनस योग्य निवेशकों को देने का फैसला किया है।

इस पेनी स्टॉक ने बोनस शेयर देने का फैसला किया है। कंपनी के शेयरों का भाव एक रुपये से भी कम का है। यह स्टॉक 11 शेयर पर 5

शेयर बोनस देने का ऐलान किया है। कंपनी 17 दिसंबर 2025 को एक्स-बोनस ट्रेड करेगी। बता दें, शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर यह स्टॉक 3.49 प्रतिशत की तेजी के साथ 0.89 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले 5 साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 161 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर मनीबॉक्स फाइनेंस लिमिटेड के शेयर 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 134.70 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। कंपनी 15 दिसंबर को एक्स-बोनस ट्रेड करेगी। यह कंपनी एक शेयर पर एक शेयर बोनस दे रही है।

लाल धातु इस समय छाई, इंडस्ट्री में मांग के कारण कीमत में काफी उछाल आया

नई दिल्ली, एजेंसी।
इस साल सोना-चांदी ही नहीं, दूसरी धातुओं ने भी अच्छा रिटर्न दिया है। इन्हीं में एक है तांबा यानी कॉपर। इसे लाल धातु भी कहा कहा जाता है। ठीक उसी तरह जैसे सोने को पीली धातु और चांदी को सफेद धातु कहते हैं। इस साल कॉपर की कीमत 12,000 डॉलर प्रति मीट्रिक टन के स्तर के करीब पहुंच गई है। इसकी मुख्य वजह है एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से जुड़े डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर की बढ़ती मांग और अमेरिका के बाहर सप्लाई की कमी की चिंताएं।

इस साल अब तक कॉपर की कीमतों में 35 प्रतिशत का उछाल आया है। यह साल 2009 के बाद से सबसे अच्छी सालाना बढ़ोतरी है। शुक्रवार को तो यह धातु 11,952 डॉलर प्रति टन तक पहुंच गई थी। खदानों में उत्पादन में आई रुकावटें और अमेरिका में बड़े पैमाने पर की गई खरीदारी के कारण इसकी कीमत में तेजी आई है।

क्या है इसकी खासियत

कॉपर की सबसे बड़ी खासियत है इसकी बिजली को बहुत अच्छे से संचालित करने की क्षमता। इसी वजह से यह

पावर ग्रिड, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक गाड़ियों और क्लीन एनर्जी के लिए बहुत जरूरी है। दुनिया भर में बिजली के नेटवर्क को बेहतर बनाने के लिए अरबों डॉलर खर्च किए जा रहे हैं। डेटा सेंटर और रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स को लगातार और बहुत ज्यादा बिजली की जरूरत होती है।

क्यों बढ़ी निवेशकों की दिलचस्पी

कॉपर भी इस समय निवेशकों का ध्यान खींच रही है। क्योंकि एआई ने कमोडिटी (कच्चे माल) में निवेश की रणनीतियों को बदल दिया है। बेंचमार्क मिनरल इंटेलिजेंस के एनालिस्ट डान डे जोंगे कहते हैं कि जो निवेशक एआई से जुड़ी चीजों में बड़े पैमाने पर निवेश करना चाहते हैं, वे ऐसे फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स में भी पैसा लगा रहे हैं जिनमें डेटा सेंटर के लिए जरूरी हार्ड एसेट्स शामिल हों। वे आगे कहते हैं कि निवेशक कॉपर से जुड़े एसेट्स जैसे श्वञ्जस्नह्य (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) खरीदेंगे। इस बदलाव को नए निवेश वाहनों में भी देखा जा सकता है। कनाडा की स्प्रॉट एसेट मैनेजमेंट ने साल 2024 के मध्य में दुनिया का पहला फिजिकल कॉपर लॉन्च किया। इस फंड में करीब 10,000 टन कॉपर है और इस साल यह लगभग 46 प्रतिशत बढ़ गया है। इसकी एक यूनिट की कीमत करीब 14 कनाडाई डॉलर है। सप्लाई (आपूर्ति) की कमी एक बड़ी चिंता बनी हुई है। रॉयटर्स के एक सर्वे के मुताबिक, इस साल कॉपर बाजार में 1,24,000 टन की कमी रहेगी, जो साल 2026 तक बढ़कर 1,50,000 टन हो जाएगी। प्रोडक्शन में आई दिक्कतें भी इस कमी को बढ़ा रही हैं।

17000 रुपये की नौकरी को मारी लात

नई दिल्ली, एजेंसी।
बिजय कुमार बीर ओडिशा के आंगुल जिले के रहने वाले हैं। वह पहले नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड में नौकरी करते थे। नौकरी छोड़कर उन्होंने मधुमक्खी पालन को अपना पेशा बनाया। आज वह सालाना 17 लाख रुपये कमा रहे हैं। चार साल तक 17,000 रुपये की मासिक तनख्वाह पर काम करने के बाद बढ़ती महंगाई के कारण गुजारा करना मुश्किल हो गया था। इसी मजबूरी में उन्होंने अपने मामा सुरेश चंद से बचपन में सीखी मधुमक्खी पालन की कला को अपनाने का फैसला किया। आज, बिजय न केवल शहद बेचकर लाखों कमा रहे हैं, बल्कि मधुमक्खी पालन के उपकरण भी बेचते हैं। सरकारी संस्थानों में मास्टर ट्रेनर के तौर पर प्रशिक्षण देकर भी वह अच्छी कमाई करते हैं। राज्य सरकार ने 2023 में उन्हें मुख्यमंत्री कृषि उद्योग योजना के तहत सम्मानित भी किया था। आइए, यहां बिजय कुमार बीर की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

ऐसे हुई शुरुआत

बिजय कुमार बीर ने ओडिशा के अंगुल में नाल्को के रखरखाव विभाग में चार साल तक काम किया।

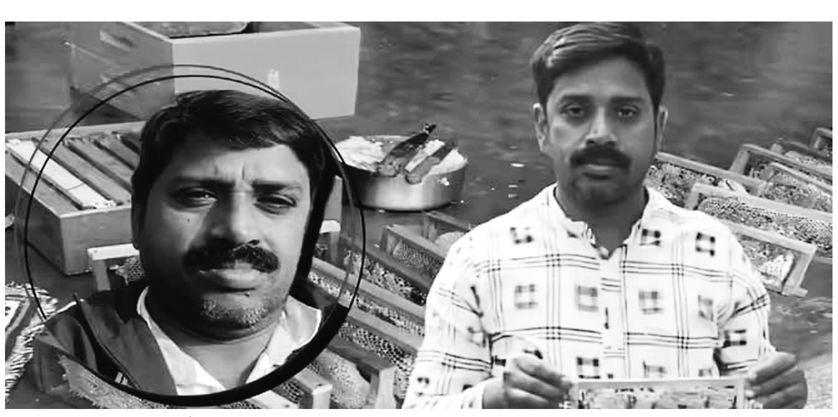

वहां उनकी मासिक सैलरी 17,000 रुपये थी। लगातार बढ़ती महंगाई के सामने जब यह फिक्स्ड सैलरी नाकाफी साबित हुई तो उन्होंने अपने मामा से कक्षा नौ में सीखा गया मधुमक्खी पालन का हुनर अपनाने का फैसला किया। बिजय ने नौकरी छोड़ दी। अब वह शहद और उपकरण बेचकर सालाना 17 लाख रुपये कमाते हैं। वह सरकारी संस्थानों से 5,000 रुपये प्रति सेशन पर मास्टर ट्रेनर के रूप में भी पेमेंट पाते हैं। 2023 में उन्हें मुख्यमंत्री कृषि उद्योग योजना के तहत राज्य सरकार की ओर से सम्मानित किया गया था।

वैज्ञानिक नजरिये का मिला फायदा

बिजय कुमार आधुनिक मधुमक्खी पालन के तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। इससे प्रत्येक कॉलोनी (लकड़ी के बक्से में) नवंबर और जनवरी के बीच 13 किलो से अधिक शहद देती है। वह जल्द ही कॉलोनियों की संख्या 350 से बढ़ाकर 500 करने की योजना बना रहे हैं। वह अपिस सेराना इंडिका प्रजाति की मधुमक्खियां पालते हैं जो 42 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में भी पनप सकती हैं। वह मौतों को रोकने के लिए बरसात के मौसम में मधुमक्खियों को पतला शहद, पानी और चीनी मिलाकर भोजन देते हैं। इससे उन्हें हर साल नए सिरे से शुरुआत नहीं करनी पड़ती। इस वैज्ञानिक नजरिये के कारण ही उनकी दक्षता बढ़ी है। वह अब एक्सट्रैक्टर जैसी आधुनिक मशीनों का उपयोग करते हैं। यह छत्तों को दोबारा उपयोग के लिए सुरक्षित रखती हैं, जबकि पहले पारंपरिक तरीके में छत्ते बर्बाद हो जाते थे। बिजय कुमार साल भर मौसमी खेती के अनुसार अपने छत्तों को अलग-अलग कृषि क्षेत्रों में किसानों की अनुमति से स्थापित करते हैं। वह अक्टूबर से दिसंबर में सरसों के खेत, जनवरी-फरवरी में सहजन के खेत और मार्च से जुलाई तक लीची, करंजा और तिल के खेतों में छत्ते रखते हैं। इससे न केवल बिजय को विभिन्न प्रकार का शहद मिलता है, बल्कि मधुमक्खियां परागण (पॉलिनेशन) करके किसानों की फसल की उपज बढ़ाने में भी मदद करती हैं।

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
(SUCCESSION CASE)
IN THE COURT OF
Sh. Sachin Yadav
Addl. Civil Judge (Sr. Divn.),
Chandigarh.
ABHINAV KUMAR
Vs.
GENERAL PUBLIC
CNR No. CHCH02-002553-2025
Next Date: 15.01.2026
PETITION US 372 OF HINDU SUCCESSION ACT
NOTICE TO:
GENERAL PUBLIC
In above titled case, the defendants(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on **15.01.2026 at 10.00 a.m.**
For details logon to https:// highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice & district =Chandigarh.
Sachin Yadav
Addl. Civil Judge (Sr. Divn.)
Chandigarh.
Dated, this day of 26.11.2025

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
(SUCCESSION CASE)
IN THE COURT OF
Sh. Sachin Yadav
Addl. Civil Judge (Sr. Division),
Chandigarh
HARJEET SINGH
Vs
GENERAL PUBLIC
CNR No. CHCH02-003454-2025
Next Date: 28.01.2026
NOTICE TO:
GENERAL PUBLIC
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/ respondent(s) should appear in person or through counsel on **28.01.2026 at 10.00 a.m.**
For details logon to http://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice & district =Chandigrah.
Sachin Yadav
Addl. Civil Judge (Sr. Division),
Chandigarh
Dated, this day of 27.11.2025

ऑनलाइन सीखें स्पोकन इंग्लिश

बच्चे हों या बूढ़े इन दिनों हाथों हाथ मोबाइल होना आम बात है। शॉपिंग, मूवी, मनी ट्रांसफर, बैंकिंग, गेम्स आदि सबकुछ की ऑनलाइन सुविधा है। ऐसे में हर कोई अपने-अपने स्मार्टफोन में ही बिजी है। महिलाओं के लिए भी इंटरनेट ने काफी सुविधाएं दे रखी हैं। खाना बाना से लेकर सिलाई-बुनाई जैसी कई जरूरी चीजों की जानकारी हमें गूगल के माध्यम से मिल जाती है। यहां तक पढ़ाई के लिए भी कई सारे ऐप्स और वेबसाइट्स इंटरनेट पर इजिली आपको मिल जाएंगे। इसका सही इस्तेमाल कर आप घर बैठे ही अपनी अंग्रेजी भी ठीक कर सकती हैं। अगर आप घर बैठे इंग्लिश स्पोकन सीखना चाहती हैं, तो आपको अब ज्यादा खर्च भी नहीं लगेगा। यहां हम आपको इंग्लिश स्पोकन के कुछ ऐसे वेबसाइट्स बताएंगे, जहां से आप बिल्कुल फ्री स्पोकन सीख सकती हैं।

ऐप्स की लें मदद

ऑनलाइन इंग्लिश सीखने के लिए आपको अपने एंड्रॉयड फोन या आईफोन में लैंग्वेज लर्निंग ऐप्स डाउनलोड कर सकते है। यहां आपको ढेर सारे ऐप्स मिलेंगे। कुछ बिल्कुल फ्री तो कुछ में डेमो क्लास के बाद फीस देनी होती है। आप डेमो क्लास से भी बेसिक इंग्लिश सीख जाएंगी।

ऑनलाइन इंग्लिश न्यूजपेपर

किसी भी भाषा पर अच्छी पकड़ बनाने के लिए न्यूजपेपर बहुत अच्छा मीडियम माना जाता है। ऐसे में आप चाहें तो अपने फोन या लैपटॉप में कुछ इंग्लिश न्यूजपेपर के ऐप्स को डाउनलोड कर कर सकते हैं।

मोबाइल या लैपटॉप में पढ़ें किताबें

इंग्लिश रीडिंग डालने से भी स्पोकन अच्छी होती है। ऐसे में आप चाहें तो ऑनलाइन किताबें भी पढ़ सकती हैं। इसका फायदा यह होता है कि आप कभी भी और कहीं भी उसे एक्सेस कर सकती हैं। वर्ड पावर बढ़ाने के लिए आप ऑनलाइन डिक्शनरी भी पढ़ सकती हैं। इससे रोजाना कुछ शब्द भी याद होंगे और उनसे इंग्लिश स्पोकन की प्रैक्टिस में भी मदद मिलेगी।

पॉडकास्ट भी है अच्छा ऑप्शन

इन दिनों पॉडकास्ट का क्रेज काफी बढ़ गया है। आप कभी भी इंग्लिश पॉडकास्ट सुनकर अपनी इंग्लिश स्पोकन के साथ कम्युनिकेशन स्किल बढ़ा सकती हैं। इससे आपको शब्दों का सही उच्चारण सीखने का मौका मिलेगा। इन्टरनेट पर हजारों इंग्लिश पॉडकास्ट आपको मिल जाएंगे।

भारत में लगातार विकसित हो रहा है फैशन उद्योग

फैशन के क्षेत्र में अपना परचम लहराने के लिए प्रोफेशनल्स का कौशल, ज्ञान व प्रदर्शन ही उन्हें दूसरों से अलग करता है। सिर्फ चंद किताबें रट कर फैशन अथवा उसकी बिक्री करने की कला नहीं सीखी जा सकती। मौजूदा बाजार माहौल के कारण अब पहले की अपेक्षा कहीं अधिक जरूरी हो गया है कि आप अपने कार्य कौशलों को बढ़ा कर फैशन इंडस्ट्री में अपनी रचनात्मकता को आजमाएं।

एक अध्ययन के मुताबिक भारत की फैशन इंडस्ट्री इस समय 200 करोड़ का आंकड़ा छू रही है तथा बड़े डिजाइनरों की सालाना बिक्री लगभग 25 करोड़ रुपए है, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह बाजार 35 बिलियन डॉलर के करीब है। यह इंडस्ट्री आने वाले सात वर्षों में भारतीय बाजार में ढाई हजार करोड़ तक पहुंचने का रिकॉर्ड बना सकती है। फैशन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने फैशन एंड डिजाइन प्रमोशन काउंसिल (एफडीपीसी) का गठन किया है। इस काउंसिल ने उभरते फैशन डिजाइनरों तथा स्कूल-कॉलेजों से पास हुए छात्रों के लिए 25 फीसदी आरक्षण का प्रावधान भी किया है। भारत में फैशन उद्योग लगातार विकसित हो रहा है तथा अंतरराष्ट्रीय फैशन के क्षेत्र में एक बड़ा उद्योग बन चुका है। इंडिया फैशन वीक और भारत के प्रमुख शहरों में फैशन डिजाइनरों द्वारा वार्षिक शो जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों से साफ हो गया है कि मिस वर्ल्ड, मिस यूनिवर्स व अन्य प्रतियोगिताओं में भारतीय सुंदरियां किसी से कम नहीं हैं।

कोर्स की रूपरेखा

महज बोर्ड पर किसी डिजाइन की स्केचिंग ही महत्त्वपूर्ण नहीं है, बल्कि छात्रों को इस इंडस्ट्री के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में विशेषज्ञता हासिल करनी होती है। यह एक प्रोफेशनल कोर्स है, जिसके अंतर्गत गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी, टेक्सटाइल साइंस, अपैरल कंस्ट्रक्शन मेथड, फैब्रिक डाइंग एवं प्रिंटिंग, कलर मिक्सिंग एवं.. ..कम्प्यूटर एडेड डिजाइन (सीएडी) आदि क्षेत्रों में से किसी एक का चयन करना होता है। फैशन डिजाइनिंग में कई सारे कोर्स जैसे एक्सेसरीज एवं ज्वैलरी डिजाइनिंग, मॉडलिंग, गारमेंट डिजाइनिंग, लेदर डिजाइनिंग, इंटीरियर डिजाइनिंग, टैक्सटाइल डिजाइनिंग, फुटवेयर डिजाइनिंग आदि को शामिल किया जाता है। इसके अलावा भी कई महत्त्वपूर्ण कोर्स इस इंडस्ट्री के लिए कारगर होते हैं, जैसे कि एमए, पीजी, बीए, अंडरग्रेजुएट डिप्लोमा, शॉर्ट टर्म लेवल आदि कोर्स।

फैशन जगत की शाखाएं

बात यदि फैशन इंडस्ट्री की शाखाओं की हो तो इसमें कई विकल्प निखर कर सामने आते हैं। छात्रों की अपनी रुचि के अनुसार क्षेत्रों का चयन करना होता है। कुछ शाखाएं नीचे दी गई हैं-

फैशन कम्युनिकेशन

जब भारी संख्या में घरेलू और विदेशी ब्रांड, कंपनियां और डिजाइनर भारतीय बाजार पर धावा बोल रहे हों तो इन सबके लिए अपनी विशिष्ट ब्रांड पहचान विकसित करना और बिक्री के लिए अधिकतम मात्र में उपलब्ध रहना अनिवार्य हो जाता है। यह बड़ा काम फैशन कम्युनिकेशन प्रोफेशनल्स आसान कर देते हैं।

फैशन स्टाइलिंग

भारत में फैशन स्टाइलिंग भले ही एक नया कॉन्सेप्ट हो, लेकिन यह तेजी से आकर्षक करियर में तब्दील हो रहा है। सफल स्टाइलिस्ट बनने के लिए फैशन के हर पहलुओं पर नजर, टीम में काम करने की क्षमता होनी जरूरी है। इसके कोर्स में मेकअप, हेयर स्टाइलिंग, फोटोग्राफी, कम्प्यूटर एवं आईटी एप्लीकेशंस की जानकारी विकसित करने के लिए टूल्स, टेक्नीक्स और स्किल्स सिखाये जाते हैं।

फैशन फोटोग्राफी

फैशन जर्नलिस्ट का दूसरा काम फोटोग्राफी से संबंधित होता है। अभिलाषा और कल्पना की उड़ान के धागों से बने कपड़ों की तस्वीरों को जर्नलिस्ट अपने पाठकों के लिए कुछ इस प्रकार से मढ़ता है कि पाठक उससे खुद को आसानी से जोड़ सकें।

फैशन जर्नलिज्म

योग्य और प्रतिभाशाली युवाओं के लिए फैशन जर्नलिज्म में रोजगार के लिए बेहतरीन ऑप्शंस हैं, क्योंकि फैशन इंडस्ट्री में एक्सक्लूसिव राइटिंग और टीवी प्रोग्राम बनाने के लिए बहुत अवसर हैं। फैशन जर्नलिस्ट फुलटाइम या फीलांस के रूप में काम करते हैं।

विदेश में चाहिए नौकरी तो रिज्यूमे बनाते समय इन बातों का रखें ख्याल

अगर आपका भी सपना विदेश में नौकरी करने का हैं तो आपको रिज्यूमे बनाते समय कुछ खास चीजों का ध्यान रखना होगा।

विदेश में नौकरी करना सभी का सपना होता है। कई लोग सालों तक विदेश में नौकरी करने के लिए इंटरव्यू देते हैं। हालांकि कई बार हमें इंटरव्यू के लिए भी कॉल नहीं आता है। विदेश में नौकरी चाहिए तो आपको अपने रिज्यूमे पर खास ध्यान देना चाहिए। अगर आपका रिज्यूमे सही तरीके से बना होगा तो आपको नौकरी के लिए तुरंत कॉल आ सकता है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि आपको रिज्यूमे बनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

वर्क एक्सपीरियंस

वर्क एक्सपीरियंस आपको सही तरीके से लिखना है। आपने किस कंपनी में क्या- क्या काम किया है और क्या कुछ नया सीखा है। इसे आपको विस्तार से लिखना होगा। किसी भी कंपनी से आपको तभी कॉल आएगा जब आपका रिज्यूमे उन्हें पसंद आएगा। ऐसे में आपको अपने वर्क एक्सपीरियंस को अच्छे से लिखना चाहिए।

एजुकेशन

आपको अपने एजुकेशन के बारे में विस्तार से लिखना होगा। तभी आपको कंपनी से इंटरव्यू के लिए कॉल आएगा। एजुकेशन-क्वालिफिकेशन के दौरान आपको यह भी लिखना होगा कि आपके कितने मार्क्स आए थे। कई कंपनियां मार्क्स भी देखती हैं।

स्किल्स पर ध्यान दें

आपको अपने स्किल्स के बारे में लिखना है। ध्यान रखें कि रिज्यूमे पर जो भी लिखा होता है आपसे उसी चीज को लेकर सवाल पूछे जाते हैं। ऐसे में आपको अपने स्किल्स को लेकर काफी ध्यान देना है। उन्ही चीजों के बारे में लिखें जो आपको आता है। अगर आपको नहीं आता होगा तो इंटरव्यू के दौरान आप सभी सवालों का जवाब नहीं दे पाएगे।

पर्सनल डिटेल जरूर लिखें

कंपनी आपको भारत से विदेश बुलाएगी तो आपका वह बैकग्राउंड जरूर चेक करेगी। ऐसे में आपको अपने रिज्यूमे में पर्सनल डिटेल जरूर ऐड करना चाहिए। आप अपने फैमिली डिटेल और अपना पूरा डिटेल जरूर लिखें।

एग्जाम स्ट्रेस को इस तरह करें दूर

परीक्षा के दिन बच्चों के लिए सबसे अधिक तनावपूर्ण होते हैं। बच्चे कितना भी चाहें, लेकिन फिर भी वह परीक्षा के स्ट्रेस को खुद से दूर नहीं रख पाते। कुछ बच्चों का तनाव इस हद तक बढ़ जाता है कि वह अपनी पढ़ाई में भी ध्यान केन्द्रित नहीं कर पाते। जिससे उनकी परीक्षाएं प्रभावित होती हैं। कई बार तो यह स्ट्रेस उनके मानसिक ही नहीं, शारीरिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। हालांकि अगर आप बच्चों को परीक्षा के दिनों में स्ट्रेस फ्री रखना चाहते हैं तो इन टिप्स को अपना सकते हैं-

सिर्फ पढ़ाई नहीं

परीक्षा के दिनों पर बच्चों के मन में तनाव का एक मुख्य कारण हरदम पढ़ाई की बात करना होता है। दरअसल, एक ओर बच्चे पहले ही पढ़ाई को लेकर चिंतित रहते हैं, वहीं दूसरी ओर घर का माहौल भी कुछ ऐसा होता है, जिससे बच्चे का तनवा बढ़ता जाता है। इसलिए यह जरूरी है कि आप बच्चे से हरदम पढ़ाई की ही बात ना करें, बल्कि उसके साथ थोड़ी देर टहलें या फिर खेलें। अन्य एक्टिविटी करने से बच्चे का मूड फ्रेश होता है, जिससे वह बेहतर तरीके से परफॉर्म करते हैं।

बनाएं स्टडी प्लॉन

अमूमन माता-पिता बच्चों से सिर्फ पढ़ाई की ही बात करते हैं, जिससे बच्चा परेशान हो जाता है। यकीनन इस समय बच्चों को अतिरिक्त पढ़ाई करने की जरूरत होती है, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आप एक स्टडी प्लॉन बनाएं। मसलन, बच्चा पूरे दिन में कितनी देर पढ़ाई करेगा और उसके कितनी देर का ब्रेक लेना है। एक बार में वह कितने पार्ट को कवर करेगा, इन सब की प्लानिंग पहले ही कर लें। इस तरह जब आप पहले से ही सारी प्लानिंग कर लेंगी तो इससे बच्चों का भी तनाव कम होगा।

खान-पान

परीक्षा के दिनों में बच्चों का खान-पान भी काफी अहम होता है। इस दौरान बच्चों को अतिरिक्त भूख लगती है। लेकिन आप बच्चों को हैवी या तला हुआ फूड खिलाने की जगह थोड़ी-थोड़ी देर में कुछ ना कुछ खाने को दें। साथ ही लिथ्विड की मात्रा अधिक रखें और उसे हेल्दी स्नैक्स जैसे रोस्टेड बादाम या मखाना आदि दें। यह बच्चे को लंबे समय तक फुल रखेंगे और उनका एनर्जी लेवल बनाए रखेंगे। इतना ही नहीं, उनका संतुलित खान-पान बच्चों के तनाव को दूर करता है।

करें रिलैक्स

अगर बच्चा पढ़ाई को लेकर अतिरिक्त तनाव में है तो आप उनके साथ मिलकर कुछ रिलैक्सेशन एक्टिविटी कर सकते हैं। जैसे डीप ब्रीदिंग, मेडिटेशन, करें। इसके अलावा आप कुछ देर उन्हें जो पसंद हो, वह जरूर करने दें। भले ही वह म्यूजिक सुनना हो या फिर कोई गेम खेलना। दरअसल, इस तरह की एक्टिविटी बच्चे के लिए स्ट्रेस बस्टर की तरह काम करती है।

परीक्षा के दिनों पर बच्चों के मन में तनाव का एक मुख्य कारण हरदम पढ़ाई की बात करना होता है। दरअसल, एक ओर बच्चे पहले ही पढ़ाई को लेकर चिंतित रहते हैं, वहीं दूसरी ओर घर का माहौल भी कुछ ऐसा होता है, जिससे बच्चे का तनाव बढ़ता जाता है।

अगर आप भी ड्रोन पायलट में अपना करियर बनाने के बारे में सोच रहे हैं...

अगर आप ड्रोन पायलट में अपना करियर बनाने के बारे में सोच रहे हैं, तो जानिए कि इसके लिए आपके पास क्या-क्या योग्यताएं होनी चाहिए।

आधुनिक दौर में आज हर एक काम टेक्नोंलॉजी से कंटेक्ट हो चुका है। एक समय हुआ जब ड्रोन को हम सभी केवल टेलीविजन और इक्का दुक्का जगहों पर देखने को मिलता था। लेकिन आज अधिकतर फोटोग्राफर, वीडियोग्राफर, इंफ्लूयसर, आदि के पास देखने को मिल जाता है। पहले एक समय हुआ करता था जब ड्रोन को उड़ाने वाले लोगों के पास ट्रेनिंग होती थी। लेकिन समय के बदलते दौर के साथ सिक्योरिटी से लेकर मीडिया इंडस्ट्री हर जगह ड्रोन का इस्तेमाल हो रहा है। शादी-विवाह से लेकर फिल्म शूटिंग हर जगह पर ड्रोन का इस्तेमाल हो रहा है। अगर आप भी इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं तो जानिए कैसे आप इस फील्ड के लिए तैयार हो सकते हैं।

ड्रोन पायलट बनने की योग्यता

ड्रोन का इस्तेमाल कामर्शियल फील्ड और रीक्रिएशनल फील्ड दोनों में किया जा रहा है। ड्रोन पायलट बनने के लिए 12 वीं पास होना जरूरी है। ड्रोन उड़ाने के लिए आपको प्रोफेशनल ट्रेनिंग लेने की जरूरत होती है। आपको यह जानना भी जरूरी है कि ड्रोन पायलट बनने के लिए योग्यता अलग-अलग संस्थान के हिसाब से भी निर्धारित होती है।

कैसे बन सकते हैं ड्रोन पायलट

ड्रोन पायलट बनने वाले कैंडिडेट को डीजीसीए द्वारा रिकग्नाइज इंस्टीट्यूट से ट्रेनिंग लेनी होती है। इसके लिए आपको मेडिकल एग्जामिनेशन भी क्लियर करना होता है।

लाइसेंस लेने के लिए करना होता एग्जाम क्लियर

लाइसेंस पाने के लिए पहले ट्रेनिंग लेनी होती है इसके बाद आपको लिखित परीक्षा क्लियर करनी होती है। आपको बता दें कि इसके लिए डीजीसीए लाइसेंस (कोचिंग गाइडलाइन) देता है। अगर बात करें फीस के बारे में तो इंस्टीट्यूट के हिसाब से यह 30 हजार से लेकर 1 लाख तक हो सकती है।

सरकार द्वारा लांच की गई वेब साइट

कुछ समय पहले इंडियन गवर्नमेंट की तरफ से वेबसाइट लॉन्च की है। इस साइट पर जाकर आप ड्रोन पायलट करियर से जुड़ी सारी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

हिन्द जनपथ
पंचकूला
सोमवार 15 दिसंबर 2025

जॉन सीना रिटायरमेंट

मैच **2320** | जीत **1818**

● 23 साल का डब्ल्यूडब्ल्यूई करियर, 17 बार बने रिकॉर्ड वर्ल्ड चैंपियन ; हार के साथ जॉन सीना के युग का अंत

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट के दिग्गज रेसलर जॉन सीना ने अपने 23 साल के करियर पर ब्रेक लगा दिया है। उन्होंने 2002 में अपना इस फेमस रेसलिंग कंपनी के साथ करियर शुरू किया था। अब 17 बार के रिकॉर्ड वर्ल्ड चैंपियन ने अपने करियर पर ब्रेक लगाया। हालांकि, उनके करियर का अंत हार के साथ हुआ और गुंथर ने उन्हें आखिरी मुकाबले में मात दी।जॉन सीना के दो दशक से ज्यादा के करियर में शायद ही कभी फैंस ने उन्हें टैप आउट होते देखा होगा। अपने करियर के अंतिम मैच में गुंथर के खिलाफ सीना टैप करके मुकाबला हारे और नम आंखों के साथ उनके तकरीबन 19 हजार फैंस जो एरिना में मौजूद थे उन्हें गुडबाय कहा। जॉन सीना के इस आखिरी मैच के दौरान उन्हें गुडबाय कहने के लिए कई दिग्गज डब्ल्यूडब्ल्यूई के सितारे भी रिंग के आसपास मौजूद थे।

2320 मैचों में 78.4 मुकाबले जीते

अगर जॉन सीना के पूरे रेसलिंग करियर की बात करें तो उन्होंने अपने करियर में 2320 मैचों में अभी तक रेसलिंग की और उसमें से 1818 मैच जीते। उन्होंने अपने करियर में 78.4 प्रतिशत मुकाबले जीते। जबकि सिर्फ 444 मैच वह हारे और 58 मुकाबले ड्रॉ हुए।

डब्ल्यूडब्ल्यूई करियर की बात करें तो जॉन सीना ने मिलाकर कुल 178 फाइट लड़ीं जिसमें से 102 में उन्हें जीत मिली और 73 में हार। जबकि 3 फाइट उनकी ड्रॉ पर समाप्त हुईं। वह रिकॉर्ड 17 बार डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन बने जिसमें 14 डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप और तीन वर्ल्ड हेवीवेट चैंपियनशिप शामिल हैं।

19000 फैंस, सीना के नाम से गूंजा एरिना

अगर इस आखिरी मुकाबले की बात करें तो डब्ल्यूडब्ल्यूई के एरिना में करीब 19 हजार फैंस मौजूद थे। पूरे माहौल में सिर्फ सीना...सीना की गूंज थी। गुंथर ने जब यह मुकाबला जॉन सीना को टैप आउट करके जीता तो पूरा एरिना सन्नाटे में चला गया था। इसके बाद जॉन सीना खड़े हुए उन्होंने सभी का अभिवादन किया। अपने कंधे के नीचे वाले हाथ के बैंड को और अपने जूतों को उतारकर रिंग पर छोड़कर वह वापस चले गए। मैच के बाद डब्ल्यूडब्ल्यूई के सभी दिग्गज रिंग में आ गए और रोप के चारों ओर खड़े हो गए। सभी ने सीना को उनके शानदार करियर के लिए बधाई दी। इस मौके पर कर्ट एंगल, मार्क हेनरी और रॉब वैन डैम रिंग साइड पर मौजूद थे। उनके साथ मिशेल मैकूल और ट्रिश स्ट्रेटस भी दिखाई दीं। कोडी रोड्स और सीएम पंक भी दिखे जिन्होंने अपनी बेल्ट सीना को सौंपी और सीना ने उन्हें उठाकर फैंस का अभिवादन स्वीकार किया।

यशस्वी का तूफानी शतक

मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में दूसरा सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे यशस्वी जायसवाल ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में एक और यादगार पारी खेलते हुए मुंबई को ऐतिहासिक जीत दिलाई। हरियाणा के खिलाफ सुपर लीग मुकाबले में जायसवाल के विस्फोटक शतक की बदौलत मुंबई ने 235 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज़ दर्ज किया। इस जीत ने न सिर्फ मुंबई की ताकत दिखाई, बल्कि जायसवाल को भारत के सबसे खतरनाक टी20 बल्लेबाज़ों में भी शामिल कर दिया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज

लक्ष्य 236	झारखंड ने 237/4 बनाकर पंजाब को हराया – अंबी, दिसंबर 2025
लक्ष्य 235	मुंबई ने 238/6 बनाकर हरियाणा को हराया – अंबी, दिसंबर 2025
लक्ष्य 230	मुंबई ने 233/6 बनाकर आंध्र को हराया – हैदराबाद, दिसंबर 2024
लक्ष्य 227	पुडुचेरी ने 228/6 बनाकर आंध्र को हराया – मुंबई, जनवरी 2021
लक्ष्य 223	बड़ौदा ने 224/3 बनाकर पंजाब को हराया – हैदराबाद, दिसंबर 2025

हरियाणा का मजबूत स्कोर, मुंबइ के सामने बड़ी चुनौती

सुपर लीग के इस अहम मुकाबले में हरियाणा ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए विशाल स्कोर खड़ा किया। उनके बल्लेबाज़ों ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और मुंबई के गेंदबाज़ों पर दबाव बनाया। 235 रनों का लक्ष्य टी20 क्रिकेट में आसान नहीं माना जाता, खासकर नॉकआउट चरण जैसे मुकाबलों में। लेकिन मुंबई की टीम आत्मविश्वास से भरी हुई थी और डगआउट में मौजूद खिलाड़ियों को भरोसा था कि अगर शुरुआत अच्छी रही, तो मैच पलट सकता है।

यशस्वी जायसवाल का 48 गेंदों में शतक

लक्ष्य का पीछा करने उतरे यशस्वी जायसवाल ने शुरुआत से ही साफ संकेत दे दिया कि यह उनका दिन है। बाएं हाथ के इस ओपनर ने गेंदबाज़ों को कोई मौका नहीं दिया और मैदान के चारों ओर शानदार शॉट्स लगाए। जायसवाल ने महज 48 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जिसमें 16 चौके और एक छक्का शामिल था। यह उनके ञ्20 करियर का चौथा शतक रहा। उनकी टाइमिंग, फुटवर्क और आत्मविश्वास देखने लायक था, जिसने हरियाणा के गेंदबाज़ी आक्रमण को पूरी तरह बेअसर कर दिया।

तेज गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे जायसवाल

अंशुल कंबोज की 13 गेंदों पर उन्होंने 34 रन बटोरे।सुमित कुमार के एक ओवर में उन्होंने सिर्फ 13 गेंदों में 25 रन ठोक दिए।उनकी इस आक्रामक बल्लेबाज़ी ने रन रेट को लगातार मुंबई के पक्ष में बनाए रखा और हरियाणा की रणनीति पूरी तरह बिगड़ गई।

101 रन पर आउट, लेकिन जीत की नींव रख दी

23 साल के जायसवाल 18वें ओवर में 101 रन बनाकर आउट हुए, जब मुंबई जीत से सिर्फ सात रन दूर थी। हालांकि वह शतक के बाद ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सके, लेकिन तब तक मैच पूरी तरह मुंबई की पकड़ में आ चुका था। मुंबई ने 15 गेंद शेष रहते चार विकेट से मुकाबला जीत लिया और टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी को और मजबूत कर लिया।

विराट कोहली का नाम फिर चर्चा में, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ झूठा नॉमिनेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया पर इन दिनों दावा किया जा रहा है कि विराट कोहली को आईसीसी ओडीआई क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2025 के लिए नामांकित किया गया है। इन दावों के

साथ रन, औसत और शतकों के आंकड़ों वाली ग्राफिक्स भी तेजी से वायरल हो रही हैं। हालांकि, हकीकत इससे अलग है और ये दावे भ्रामक हैं। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अभी तक अपने वार्षिक अवॉर्ड्स के लिए किसी भी तरह की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। परंपरा के अनुसार, साल खत्म होने के बाद जनवरी महीने में ही सभी कैटेगरी के लिए शॉर्टलिस्ट जारी की जाती है। यानी कैलेंडर ईयर के दौरान नॉमिनेशन की घोषणा नहीं होती।इस भ्रम की बड़ी वजह विराट कोहली का 2025 में शानदार वनडे प्रदर्शन हो सकता है। कोहली ने इस साल 13 मैचों में 651 रन बनाए हैं, उनका औसत 65.10 रहा है, जिसमें तीन शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 135 रन की पारी और पाकिस्तान के खिलाफ शतक ने भी सुर्खियां बटोरीं। लेकिन शानदार फॉर्म का मतलब यह नहीं कि नॉमिनेशन हो चुका है।सोशल मीडिया पर वायरल सूचियों में 'बैटिंग ऑलराउंडर' और 'बॉलिंग ऑलराउंडर' जैसी कैटेगरी भी दिखाई गई हैं, जबकि अपने वार्षिक अवॉर्ड्स में इस तरह की श्रेणियां नहीं रखता। इससे साफ है कि ये लिस्ट फैन-मेड या अनुमान पर आधारित हैं, आधिकारिक नहीं।

एडिलेड टेस्ट से पहले मैकुलम ने इंग्लैंड टीम की वापसी पर जताया भरोसा

एडिलेड, एजेंसी। एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से 2-0 से पीछे चल रही इंग्लैंड टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम को पूरा भरोसा है कि उनकी टीम सीरीज में शानदार वापसी कर सकती है। उन्होंने कहा है कि अब तक इस सीरीज में हमारे बल्लेबाज पर्याप्त रन नहीं बना पाए हैं, लेकिन ऐसा कभी-कभी हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्?लैंड के बीच पांच मैचों की एशेज सीरीज का तीसरा टेस्?ट मैच 17 दिसंबर से एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। मैच से पहले मैकुलम अपने बल्लेबाजों के साथ मजबूती से खड़े हैं और उन्होंने इसी लाइनअप को बरकरार रखने का संकेत दिया है। आईसीसी के अनुसार मैकुलम ने रविवार को एडिलेड में प्रशिक्षण से पहले कहा कि हमारे दृष्टिकोण से हमारे पास कुछ समय से शीर्ष सात खिलाड़ी हैं और हम इसके साथ काफी हद तक सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये परिस्थितियां हमारे बल्लेबाजों की शैली के अनुकूल होनी चाहिए। हम जानते हैं कि इस सीरीज में अब तक हमने पर्याप्त रन नहीं बनाए हैं। हम कई बार ऐसी स्थिति में थे जहां हम रन बना सकते थे, लेकिन हमने कुछ गलतियां कर दीं और ऐसा कभी-कभी हो सकता है। इस सीरीज को जीतने के लिए हमें पिछले कुछ वर्षों में जो चीजें सफल रही हैं, उन्हें छोड़ने की जरूरत नहीं है। इंग्लैंड कोच ने कहा कि जब हम मैदान में उतरें, तो हमें अपनी क्षमताओं पर पूरा भरोसा हो। बिना सोचे-समझे फैसले लेना और तयशुदा बल्लेबाजी लाइन-अप में फेरबदल करना हमारा तरीका नहीं है।

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन आईपीएल में गेंदबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन ने रविवार को स्पष्ट किया है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में गेंदबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने आईपीएल नीलामी में खुद को बल्लेबाज के तौर पर लिस्ट किए जाने का कारण अपने मैनेजर की गलती को बताया है। ग्रीन ने आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन के लिए खुद को एक स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के रूप में रजिस्टर किया है, जबकि वह एक फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर हैं। मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में होगा। रविवार सुबह एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के प्रशिक्षण सत्र से पहले ग्रीन ने कहा, 'मैं गेंदबाजी करने के लिए तैयार हूं। मुझे नहीं पता कि मेरे मैनेजर को यह सुनकर अच्छा लगेगा या नहीं, लेकिन उनकी तरफ से कुछ गलती हो गई। उनका मतलब 'बल्लेबाज' कहना नहीं था। मुझे लगता है कि उन्होंने गलती से गलत बॉक्स चुन लिया। यह सब जिस तरह से हुआ वह काफी मजेदार है, लेकिन वास्तव में गलती उनकी तरफ से ही हुई थी। लंबे कद के 26 वर्षीय ऑलराउंडर ग्रीन ने 2023 में मुंबई इंडियंस और 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया था। वह नीलामी में हिस्सा लेने वाले सबसे बड़े नामों में से हैं और उनके लिए मोटी बोली लगने की उम्मीद है। ग्रीन का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये है। पीठ की सर्जरी से उबरने के कारण ग्रीन 2025 सत्र से बाहर रहे थे।

शतक के बाद शतक ठोकने वाले वैभव सूर्यवंशी को चाह कर भी नहीं खिला सकता भारत, 103 दिन तक आईसीसी के नियम में कैद

नई दिल्ली, एजेंसी। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी के लिए यह साल गजब का रहा। आईपीएल से लेकर अंडर 19 एशिया कप तक... हर एक टूर्नामेंट में सूर्यवंशी ने अपनी छाप छोड़ी। वैभव 6 अलग-अलग टूर्नामेंट/सीरीज में सेंचुरी ठोक चुके हैं। वह शतक पर शतक ठोके जा रहे हैं और रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। उन्होंने सबसे पहले आईपीएल 2025 में सिर्फ 35 बॉल में शतक ठोका था।

इसके बाद भारतीय अंडर 19 टीम के लिए उन्होंने वनडे और टेस्ट में शतक ठोका। फिर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और इंडिया के लिए भी सेंचुरी लगाई। अब एशिया कप अंडर 19 में भी सूर्यवंशी ने सेंचुरी जड़ दी। इसका मतलब है कि सूर्यवंशी का बल्ला जमकर बोल रहा है। लेकिन, टीम इंडिया चाहा कर भी उनको टीम में शामिल नहीं कर सकती। उनको ऐसा करने से आईसीसी का नियम रोकता है। आखिर क्या कहता है आईसीसी का नियम, आइये जानते हैं।

आईसीसी के नियम के मुताबिक, इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने के लिए कम से कम उम्र 15 साल होनी चाहिए। 2020 में यह नियम बना था। बता दें कि वैभव अभी 14 साल के हैं और वो अगले साल यानी 2026 में 27 मार्च को 15 साल के होंगे। अभी उनके 15 साल के होने में 103 दिन बाकी हैं। उससे पहले वैभव भारत के लिए नहीं खेल सकते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में सबकी नजरें वैभव सूर्यवंशी पर होंगी। सूर्यवंशी को राजस्थान रॉयल्स ने रिटेन कर लिया था। उनको पिछले साल मेगा ऑक्शन में आरआर ने खरीदा था। सूर्यवंशी ने आईपीएल में अब तक 7 मुकाबले खेले हैं और 206.56 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 252 रन बनाए हैं। उनके नाम आईपीएल में 1 शतक और 1 अर्धशतक भी है।

आईपीएल ऑक्शन से 9 खिलाड़ियों का पत्ता साफ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 16 दिसंबर को होने वाले आईपीएल ऑक्शन से ठीक पहले एक बड़ा फैसला लिया है. बीसीसीआई ने 9 दिसंबर को ऑक्शन के लिए 350 खिलाड़ियों की लिस्ट जारी की थी लेकिन उसके बाद इसमें कुछ खिलाड़ियों के नाम शामिल किए थे. मगर इन खिलाड़ियों को एक बार फिर ऑक्शन की रेस से बाहर कर दिया गया है. इसमें एक खास नाम स्वास्तिक चिकारा का है, जो पिछले साल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का हिस्सा थे, जबकि झारखंड के स्टार बल्लेबाज विराट सिंह और त्रिपुरा के धाकड़ ऑलराउंडर मणि शंकर मूरासिंह के नाम भी काट दिए गए हैं. एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि ऑक्शन के लिए 350 खिलाड़ियों की लिस्ट जारी होने के बाद भी बीसीसीआई ने 9 नाम इसमें शामिल किए थे. इसमें घरेलू क्रिकेट में अपना जलवा दिखा रहे मणि शंकर मूरासिंह की काफी चर्चा हो रही थी, जिन्हें शुरुआती लिस्ट में जगह नहीं मिली थी. मगर ऑक्शन से 3 दिन पहले ही इन 9 खिलाड़ियों के नाम एक बार फिर आईपीएल की वेबसाइट में ऑक्शन वाले खिलाड़ियों की लिस्ट से गायब हो गए हैं.ऑक्शन की लिस्ट से बाहर होने वाले खिलाड़ियों में 6 भारत के घरेलू क्रिकेटर हैं, जबकि 3 विदेशी खिलाड़ी हैं, जो अपने-अपने देश के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेल चुके हैं. बाहर होने वाले 6 भारतीय खिलाड़ी हैं- विराट सिंह, स्वास्तिक चिकारा, मणि शंकर मूरासिंह, चामा मिलिंद, केएल श्रीजित, राहुल राज नमाला.

आईपीएल 2026 नीलामी में डेविड मिलर बन सकते हैं सबसे बड़े खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 की मिनी नीलामी से पहले चर्चाओं का बाजार गर्म है और इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर ने दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज डेविड मिलर को लेकर बड़ा दावा किया है। बांगर के मुताबिक, मिलर अपनी फिनिशिंग स्किल, दबाव में शांत रहने की क्षमता और लंबे ञ्20 अनुभव के चलते इस नीलामी के सबसे महंगे और सबसे ज़्यादा डिमांड वाले खिलाड़ियों में शामिल हो सकते हैं। 16 दिसंबर को अबू धाबी में होने वाली नीलामी में कई फ्रेंचाइज़ी उन पर बड़ी बोली लगा सकती हैं।

संजय बांगर ने बताया कि डेविड मिलर आधुनिक टी20 क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद फिनिशर्स में से एक हैं। मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाज़ी करते हुए मिलर न सिर्फ तेज़ रन बनाते हैं, बल्कि मुश्किल हालात में भी टीम को जीत तक पहुंचाने का दम रखते हैं। बांगर के अनुसार, मिलर का अनुभव उन्हें युवा बल्लेबाज़ों से अलग बनाता है और यही वजह है कि टीमें उन्हें अपनी बैटिंग लाइन-अप का अहम हिस्सा बनाना चाहेंगी।

डेविड मिलर का सबसे बड़ा प्लस पॉइंट उनका शांत स्वभाव है। बड़े लक्ष्य का पीछा हो या आखिरी ओवरों में रन बनाने की ज़रूरत, मिलर अक्सर सही फैसले लेते नजर आते हैं। संजय बांगर का मानना है कि यही गुण उन्हें टी20 क्रिकेट के एलीट फिनिशर्स की सूची में खड़ा

करता है। उन्होंने साफ कहा कि मिलर आईपीएल 2026 नीलामी में टॉप तीन सबसे महंगे खिलाड़ियों में शामिल हो सकते हैं।

गुजरात टाइटन्स और केकेआर की नजर मिलर पर

बांगर के मुताबिक, गुजरात टाइटन्स और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी टीमें डेविड मिलर पर खास नजर बनाए हुए हैं। गुजरात टाइटन्सः टीम को मिडिल ऑर्डर में अनुभव और स्थिरता की जरूरत है, जहां मिलर फिट बैठते हैं। कोलकाता नाइट राइडर्सः आंद्रे रसेल के रिटायरमेंट के बाद केकेआर को एक ऐसा बल्लेबाज चाहिए जो डेथ ओवर्स में मैच पलट सके, और मिलर इस रोल के लिए आदर्श विकल्प हो सकते हैं।

न्यूज डायरी

पंचकूला में 19 से 28 दिसंबर तक होगा भव्य स्वदेशी महा-मेला

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर भारत की भावना को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से पंचकूला में 19 से 28 दिसंबर तक भव्य स्वदेशी महा–मेला आयोजित किया जा रहा है। मेले की तैयारियों को लेकर आज रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता स्वदेशी जागरण मंच के उत्तर क्षेत्र संयोजक डॉ. राजेश गोयल ने की। बैठक में मेला प्रमुख रजनीश गर्ग विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान 19 दिसंबर से शुरू होने वाले स्वदेशी महा-मेले की रूपरेखा, व्यवस्थाओं और स्वदेशी जागरण मंच के सदस्यों को सौंपे गए दायित्वों की विस्तार से समीक्षा की गई। डॉ. राजेश गोयल ने बताया कि यह मेला भारतीय संस्कृति, स्वास्थ्य, उद्यमिता, नवाचार और राष्ट्रभाव का अद्भुत संगम होगा, जिसमें देश की परंपरा और आधुनिकता की झलक एक साथ देखने को मिलेगी।

पंचकूला सेक्टर-5 स्थित परेड ग्राउंड में आयोजित होने वाले इस स्वदेशी मेले में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी, राज्यपाल असीम घोष, केंद्र व राज्य सरकार के कई कैबिनेट मंत्री विशेष रूप से शिरकत करेंगे। इसके अलावा भजन सम्राट कन्हैया मित्तल भी मेले में पहुंचकर स्वदेशी अभियान को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे।

मेला आयोजक रजनीश गर्ग ने अधिक से अधिक लोगों से मेले में पहुंचने की अपील करते हुए कहा, "स्वदेशी ही भविष्य है। यह मेला केवल प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा, शिक्षा, स्वास्थ्य और राष्ट्रभक्ति का विराट संगम होगा।"

वहीं अर्श गर्ग ने बताया कि विद्यालयों के विद्यार्थियों को विशेष आमंत्रण दिया जाएगा तथा उनके लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। मेले में लगाए जाने वाले विविध स्टॉल स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय उद्यमिता को भी सशक्त करेंगे।

इस अवसर पर राजकुमार, सहायक निदेशक आईटीआई ने आमजन के साथ-साथ स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों से स्वदेशी मेले में आने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस मेले के माध्यम से छात्र-छात्राएं स्वदेशी की महत्ता को समझेंगे और समाज में जागरूकता फैलाएंगे।

वही राजेश गोयल ने बताया कि पिछले कई महीनों से हरियाणा के गांवों और शहरों में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग स्वदेशी एवं स्थानीय उत्पादों को अपनाने के लिए प्रेरित हों। बैठक में राजेश गोयल के साथ-साथ रजनीश गर्ग सुरेंद्र गोयल अर्श गर्ग और कई पदाधिकारी मौजूद थे

सालासर धाम के दर्शन कर निहाल हो गए सफाई मित्र

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। शहर के सफाई मित्रों को पंचकूला के महापौर कुलभूषण गोयल ने सालासर धाम के दर्शन करवाए। अमरनाथ अग्रवाल ग्रुप की ओर से चलाई जा रही धार्मिक बस यात्रा में इन सफाई मित्रों को सालासर धाम भेजा गया। बस में श्रद्धालु बाबा हनुमान जी और श्याम के भजन गाते हुए गए। उनका उत्साह देखते ही बन रहा था। इससे पूर्व ही एक बार सफाई मित्रों के महापौर कुलभूषण गोयल ने विशेष बस की व्यवस्था की थी। कुलभूषण गोयल ने बताया कि सफाई मित्रों का हमारे शहर में सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। उनके कारण ही हम साफ-स्वच्छ शहर में रह पाते हैं, इसलिए उन्होंने इनके लिए विशेष यात्रा का प्रबंध किया था। दो दिवसीय यात्रा के बाद लौटे श्रद्धालुओं ने अमरनाथ अग्रवाल धार्मिक स्थल यात्रा के चेयरमैन एवं पंचकूला के महापौर कुलभूषण गोयल का आभार व्यक्त किया।

गोयल ने बताया कि पंचकूला में सेवानिवृत्त लोगों की संख्या बहुत अधिक है और उन्हें धार्मिक स्थलों पर ले जाने के लिए यह बस यात्रा शुरू की गई थी, जिसमें हर सप्ताह लगभग 35 लोगों को धार्मिक यात्रा करवाई जा रही है। लोग इस यात्रा से काफी प्रसन्न है और अपने परिवार एवं साथियों के साथ सप्ताहांत में धार्मिक स्थलों पर घूमकर प्रभु के दर्शन कर लेते हैं। इसका आयोजन इस बार अमरावती एजुकेशन सोसाइटी की ओर से किया जा रहा है। बस माता मनसा देवी गोधाम पंचकूला मनसा देवी कंपलेक्स से चलेगी और वापिस यात्रियों को यहीं पर छोड़ेगी। कुलभूषण गोयल ने कहा कि बुजुर्ग इस यात्रा का लाभ अवश्य उठाएं। यात्रियों से आने-जाने का कोई भी किराया नहीं लिया जाता। गोयल परिवार ने अपने पिता समाजसेवी स्वर्गीय लाला अमरनाथ अग्रवाल की याद में इस यात्रा को शुरू किया है और लोग इसका भरपूर लाभ भी उठा रहे हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भावान्तर भरपाई योजना के तहत 380 करोड़ रूपये बाजरा उत्पादक किसानों के लिए जारी किये

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार ने भावान्तर भरपाई योजना के तहत 380 करोड़ रूपये बाजरा उत्पादक किसानों के लिए जारी किये। मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित भाजपा किसान मोर्चा की बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की समृद्धि के बिना प्रदेश में खुशहाली नहीं आ सकती। इसलिए किसान हित सरकार के लिए सर्वोपरि हैं। किसान को बिजाई से लेकर कटाई तक के कृषि यंत्रों पर सब्सिडी दी जाती है। यदि प्राकृतिक आपदा से फसल को नुकसान होता है तो मुआवजे व फसल बीमा का प्रावधान है। कटाई के बाद फसल के दाने-दाने की खरीद की व्यवस्था की गई है और भुगतान सीधा किसान के खाते में डाला जाता है। यहां प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडौली ने नायब सैनी को सबसे बड़ा किसान हितैषी मुख्यमंत्री बताया। उन्होंने कहा कि नायब सरकार ने किसानों के हित में एतिहासिक फैसले लिए हैं। यहां मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने किसानों के नाम पर राजनीति करने वाली कांग्रेस को भी घेरा। कहा- कांग्रेस सरकार ने अपने समय में मुआवजे के नाम पर दो दो रुपए के चेक देकर किसानों का मजाक उड़ाया था, लेकिन भाजपा सरकार किसानों की अपनी सरकार है। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री श्री सुरेंद्र पुनिया, प्रदेश महामंत्री डॉ अर्चना गुप्ता, किसान मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष राजबाला और मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती समेत अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने किसान मोर्चा के पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे प्रदेश के किसानों को सूक्ष्म सिंचाई के प्रति प्रेरित करें, इससे जहां पानी की बचत होगी वहीं फसल पर किसान की लागत में भी कमी आएगी। उन्होंने कहा कि आज किसानों की सभी 24 फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है। अब तक 12 लाख किसानों के खातों में फसल खरीद के 1 लाख 64 हजार करोड़ रुपये डाले जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि आपदा के समय किसानों के साथ सरकार खड़ी रहती है। पिछले 11 सालों में किसानों को फसल खराबे के मुआवजे के रूप में 15 हजार 728 करोड़ रुपये दिये हैं। फसलों की खरीद को सुविधाजनक बनाने हेतु "मेरी फसल मेरा ब्यौरा" पोर्टल शुरू किया गया है। इस पोर्टल पर किसान को अपनी फसल बेचने के साथ-साथ खाद, बीज, ऋण और कृषि उपकरणों के लिए मिलने वाली आर्थिक सहायता भी घर बैठे मिल रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बताया कि खरीफ सीजन-2025 की फसलों को प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान के लिए 53 हजार 821 किसानों को 116 करोड़ 51 लाख रुपये से अधिक की राशि मुआवजे के रूप में जारी की गई। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे आबियाने को जड़ से खत्म कर दिया है। यही नहीं किसानों की तरफ पिछले आबियाने का 133 करोड़ 55 लाख 48 हजार रुपये बकाया माफ किया गया। उन्होंने कहा कि सबको पता है कि हमारी सरकार ने गन्ने का भाव बढ़ाकर 415 रुपये प्रति क्विंटल तक किया है, जो कि देश में सर्वाधिक है। श्री नायब सिंह सैनी ने किसानों के हित में लिए गए अन्य फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि फसलों की ऑनलाइन बिक्री के लिए प्रदेश की 108 मंडियों को ई -नाम (E-NAM) पोर्टल से जोड़ा गया। पिंजौर में एशिया की सबसे बड़ी आधुनिक सेब, फल एवं सब्जी मंडी शुरू की गई है। हरियाणा ऑप्रेशनल पायलट परियोजना के अन्तर्गत राज्य में अब तक 1 लाख 54 हजार 985 एकड़ भूमि का सुधार किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती योजना के तहत 31,873 एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए 19,723 किसानों का सत्यापन किया जा चुका है। इस योजना के अन्तर्गत 2500 किसानों को 4 ड्रम प्रति किसान की दर से 75 लाख रुपये, 523 देसी गाय की खरीद के लिए 1 करोड़ 30 लाख रुपये अनुदान राशि सीधा किसान के बैंक खाते में स्थानांतरित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र लघु और सीमांत किसान परिवारों को 6 हजार रुपये वार्षिक दर से 20 लाख 18 हजार किसानों के खातों में 7233 करोड़ रुपये डाले गये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब तक 33 लाख 51 हजार से अधिक किसानों को 9127 करोड़ रुपये बीमा क्लेम के रूप में दिए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में, किसानों की पैक्सों की तरफ बकाया अतिदेय ऋण की समस्या के समाधान के लिए 'एकमुश्त निपटान योजना' शुरू की गई। इस योजना के तहत प्रदेश के 6 लाख 81 हजार 182 किसानों और गरीब मजदूरों का 2 हजार 266 करोड़ रुपये का ब्याज माफ किया है। इसके अलावा, 'एकमुश्त निपटान योजना' के तहत 4 लाख 10 हजार किसानों का 1314 करोड़ रुपये का ब्याज व जुर्माना माफ किया गया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों को बायोगैस प्लांट पर 9800 रुपये से लेकर 22,750 रुपये प्रति प्लांट अनुदान दिया जाता है। अनुसूचित जाति व जनजाति के किसानों को बायोगैस प्लांट पर 17,000 रुपये से लेकर 29,250 रुपये प्रति प्लांट अनुदान दिया जाता है। अनुसूचित जाति के किसानों को बैटरी चालित स्प्रे पम्प पर 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है। सोलर पम्प लगाने के लिए किसानों को 75 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि बैंकों से किसानों के लेनदेन पर लगने वाली स्टाम्प फीस 2000 रुपये से घटाकर 100 रुपये की गई है। उन्होंने बताया कि सब्जियों व फलों के लिए भावांतर भरपाई योजना में 21 बागवानी फसलों के संरक्षित मूल्य निर्धारित किए तथा 30 हजार से अधिक किसानों को 136 करोड़ 66 लाख रुपये का भावांतर दिया गया है। खरीफ सीजन-2021 से बाजरे की उपज को भी 'भावांतर भरपाई योजना' में शामिल किया गया।

निष्पक्ष और सकारात्मक पत्रकारिता लोकतंत्र के मुख्य स्तंभों में से एक- मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि निष्पक्ष और सकारात्मक पत्रकारिता लोकतंत्र के मुख्य स्तंभों में से एक है। पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है और यह सिर्फ एक परिभाषा नहीं, बल्कि ऐसी भूमिका है, जो समाज के हर हिस्से को आपस में जोड़ती है। आपके माध्यम से जनता की आवाज़ शासन-प्रशासन तक पहुंचती है और शासन के प्रयास जनता तक पहुंचते हैं। जब समाज में कोई पीड़ा होती है, कोई अनियमितता होती है या जब कहीं कोई प्रेरक काम हो रहा होता है, हर जगह आपकी उपस्थिति, आपकी कलम और आपका कैमरा जनता के भरोसे को मजबूत करता है। इसी वजह से लोकतंत्र जीवंत रहता है, और समाज सही दिशा में आगे बढ़ता है।

मंत्री आज गोहाना में पत्रकारों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज को सही व सटीक जानकारी उपलब्ध करवाने का कार्य करते हैं। मंत्री ने श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा के कल्याण कोष की स्थापना के लिए स्वैच्छिक कोष से 11 लाख की आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने की घोषणा की।

मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में मीडिया कर्मियों के कल्याण-उत्थान के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। मीडिया कर्मियों को 7 दिसंबर, 2017 से पेंशन योजना लागू की है। पहले पेंशन की राशि 10 हजार रुपये मासिक थी, अब इसे बढ़ाकर 15 हजार रुपये मासिक कर दिया गया है। प्रदेश में 222 मीडियाकर्मी इस पेंशन का लाभ उठा रहे हैं।

आयुर्वेद महोत्सव 2025 का भव्य समापन, हजारों लोगों ने लिया प्राकृतिक चिकित्सा का लाभ

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। सेक्टर-5 स्थित इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में आयोजित आयुर्वेद महोत्सव 2025 के अंतिम दिन भी आम जनता की भारी भीड़ देखने को मिली। बड़ी संख्या में लोग आयुर्वेद से संबंधित जानकारी लेने पहुंचे और प्रदर्शनी में लगे स्टॉलों से आयुर्वेदिक उत्पादों की खरीदारी करते नजर आए। महोत्सव के दौरान लोगों में आयुर्वेद के प्रति गहरी रुचि और जागरूकता स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

महोत्सव के अंतिम दिन आयुर्वेदिक प्रदर्शनी का आयोजन करने वाले संचालकों ने बताया कि तीन दिवसीय यह आयुर्वेद महोत्सव बेहद सफल रहा। इस दौरान हजारों लोगों ने यहां पहुंचकर आयुर्वेद से जुड़ी जानकारियां प्राप्त कीं। आयोजकों के अनुसार, लोगों का रुझान तेजी से आयुर्वेदिक और प्राकृतिक चिकित्सा की ओर बढ़ रहा है।

आयुर्वेद फाउंडेशन के संचालक डॉक्टर विराज एवं महोत्सव के आयोजक ऋषभ दीक्षित ने बताया कि बदलती जीवनशैली और बढ़ती बीमारियों के इस दौर में आयुर्वेद एक प्रभावी, सुरक्षित और भरोसेमंद चिकित्सा पद्धति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाला समय आयुर्वेद का है और भारत के पास इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर नेतृत्व करने की अपार संभावनाएं हैं।

आयुर्वेद फाउंडेशन के निदेशक ने जानकारी देते हुए कहा कि यह आयोजन समग्र चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ है। देशभर से आए आयुर्वेद विशेषज्ञों ने अपने शोध, अनुभव और आधुनिक दृष्टिकोण साझा किए, जिससे आयुर्वेद के वैज्ञानिक आधार को और मजबूती मिली है।

कार्यक्रम में प्रमुख विशेषज्ञों के रूप में अजीत पाल सिंह, संचित शर्मा, तरनजीत सिंह भरना, रामपाल सोमानी और हितेश जानी उपस्थित रहे। इन विशेषज्ञों ने आयुर्वेद की आधुनिक दिशा, तकनीकी उन्नति और वैश्विक संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और प्रभाव और भी बढ़ गया।

महोत्सव के सफल संचालन में आयोजन टीम का विशेष योगदान रहा। आयोजन टीम में ऋषभ दीक्षित, जय सोनी, मन्या दीक्षित, योगिता भाटी और सिद्धि मिश्रा शामिल रहे। उनकी योजनाबद्ध कार्यशैली और बेहतर समन्वय के चलते महोत्सव पहले दिन से ही सुव्यवस्थित और प्रभावशाली बना रहा।

बरवाला मार्किट कमेटी के नवनियुक्त चेयरमैन देशराज पोसवाल ने ली शपथ

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। बरवाला मार्केट कमेटी के नवनियुक्त चेयरमैन देशराज पोसवाल ने रविवार को बरवाला अनाज मंडी में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इस अवसर पर आयोजित विशाल जनसभा में हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा रहे, जबकि समारोह की अध्यक्षता पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने की। मार्केट कमेटी के सचिव सुरेन्द्र ढाडां ने चेयरमैन देशराज पोसवाल का स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी।

अपने संबोधन में चेयरमैन देशराज पोसवाल ने कहा कि किसानों और व्यापारियों के हितों की रक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मार्केट कमेटी को पारदर्शी, सुविधाजनक और किसान-हितैषी बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। इसके साथ ही मंडी में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने और विकास कार्यों को गति देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इस अवसर पर सांसद कार्तिकेय शर्मा ने नवनिर्वाचित चेयरमैन देसराज पोसवाल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मार्केट कमेटी जैसी संस्थाएं केवल प्रशासनिक इकाइयाँ नहीं होतीं, बल्कि वे किसानों और व्यापारियों के विश्वास का केंद्र होती हैं। उन्होंने कहा कि मंडी व्यवस्था जितनी अधिक पारदर्शी, सशक्त और संवेदनशील होगी, उतना ही किसान आत्मनिर्भर बनेगा।

सांसद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसान को केवल योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की धुरी माना गया है। मंडियों का आधुनिकीकरण, फसलों की बेहतर कीमत और सुविधाजनक व्यवस्थाएँ इसी दूरदर्शी सोच का परिणाम हैं।

- **किसानों और व्यापारियों के हितों की रक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता - देशराज पोसवाल**
- **मार्केट कमेटी किसानों और व्यापारियों के विश्वास का केंद्र: सांसद कार्तिकेय शर्मा**

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने कहा कि जनता का विश्वास किसी भी जिम्मेदारी को और अधिक मजबूत बनाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि चेयरमैन पोसवाल को मिला व्यापक जनसमर्थन विकास कार्यों के रूप में परिलक्षित होगा और मंडी में अनुशासन, पारदर्शिता तथा किसान हित सर्वोपरि रहेंगे। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने नवनियुक्त चेयरमैन को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

आरआरटीएस से बदलेगी रेवाड़ी व बावल की सूरत : राव इंद्रजीत

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। केंद्रीय सांख्यिकी, कार्यक्रम एवं कार्यान्वयन एवं योजना राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने रविवार को गांव बाम्बड़ में कूड़ियाराम यादव की मूर्ति का अनावरण किया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्रीय कैबिनेट से जल्द ही आरआरटीएस की मंजूरी मिलने जा रही है। आरआरटीएस के निर्माण के बाद रेवाड़ी व बाबल की सूरत तेजी से बदलेगी।

केंद्रीय मंत्री आज रेवाड़ी के गांव बाम्बड़ में एक सामाजिक कार्यक्रम में उपस्थित हुए| राव इंद्रजीत सिंह ने गांव में रोड के निर्माण कार्य के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा भी की।

राव इंद्रजीत सिंह ने कार्यक्रम के संयोजक एवं कूड़ियाराम यादव के पुत्र सरपंच प्रतिनिधि धर्मबीर गबरू, हरीश यादव और उनके परिवार की सराहना करते हुए कहा कि मूर्ति स्थापित करके अपने पूर्वजों का मान-सम्मान बढ़ाने का नेक कार्य किया है। हम सभी को अपने पूर्वजों को याद रखते हुए उनके सम्मान में ऐसे कार्य करने चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में पूरे देश और प्रदेश सहित रेवाड़ी जिले का भी तेजी से विकास हो रहा है। रेवाड़ी युवाओं को रोजगार मुहैया करवाने के साथ-साथ नेशनल हाईवे, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं सहित सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। जिले में विभिन्न तरह की संस्थाएं स्थापित होने से लोगों को इनका लाभ मिल रहा है। आज रेवाड़ी का देश-विदेश में डंका बज रहा है। इस अवसर पर मंत्री ने ग्रामीणों की ओर रखी गई मांगों को भी उचित कार्रवाई करते हुए पूरा करने का आश्वासन दिया।

हुड्डा पिता-पुत्र द्वारा जुटाई भीड़ से सफल हुई कांग्रेस की दिल्ली रैली

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। कांग्रेस द्वारा दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' रैली का आयोजन किया गया। इसके लिए देशभर के और खासतौर पर उत्तर भारत के नेताओं को भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। लेकिन दिल्ली से सबसे ज्यादा निकटता के चलते मुख्य जिम्मेदारी हरियाणा पर रही। यहां राहुल गांधी के लिए भूपेंद्र सिंह हुड्डा तुरुप का इक्का साबित किया। क्योंकि रैली में भीड़ जुटाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र के साथ भूपेंद्र हुड्डा और दीपेंद्र हुड्डा ने अलग-अलग जिलों में जाकर नेताओं और कार्यकर्ताओं की बैठकें लीं तथा ज्यादा से ज्यादा भीड़ जुटाने के लिए उनकी ड्यूटी निर्धारित की। और दीपेंद्र ने हरियाणा की जनता को रैल्ली तक लाने के प्रबंध किए ।

इसके चलते हर बार की तरह इस बार भी रामलीला मैदान में सबसे ज्यादा भागीदारी हरियाणा से आए लोगों की रही। रैली में जोश भरने से लेकर भीड़ को विशाल बनाने में हरियाणा की खास रोल रहा। इसके लिए हाईकमान की तरफ से हरियाणा इकाई और खासकर भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सराहना भी की गई तथा मंच पर बैठे नेताओं ने भी इसका बार-बार जिक्र किया।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी इस बात पर संतुष्टि जाहिर करी कि लोगों में 'वोट चोरी' को लेकर जागरूकता है। क्योंकि उन्होंने खुद एहसास किया है कि हरियाणा में वोट चोरी के जरिए पूरी की पूरी सरकार चोरी कर ली गई। इसलिए रैली में हरियाणा की तरफ से पहुंचे लोगों में सबसे ज्यादा रोष और जोश देखने को मिला।

रैली में हरियाणा की भारी उपस्थिति ने यह संदेश भी दिया कि 'वोट चोरी' के मुद्दे को लेकर प्रदेश की जनता के बीच रोष की भावना है और वे इसे जाहिर करने के लिए दिल्ली पहुंचे हैं। भविष्य में भी राहुल गांधी द्वारा उठाया गया यह मुद्दा सबसे ज्यादा हरियाणा में जोर पकड़ने के आसार हैं।

एशियन यूथ गेम्स-2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाले कबड्डी खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया सम्मानित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज बहरीन में आयोजित एशियन यूथ गेम्स-2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाली लड़के एवं लड़कियों की भारतीय कबड्डी टीमों के सदस्य रहे हरियाणा के खिलाड़ियों के एक प्रतिनिधिमंडल को सम्मानित किया।

ये खिलाड़ी मुख्यमंत्री से आज चंडीगढ़ स्थित आवास संत कबीर कुटीर में मिले। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने टीम के कप्तान ईशांत राठी सहित सभी खिलाड़ियों को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत और हरियाणा का नाम रोशन करने वाले युवा खिलाड़ियों से मिलना उनके लिए अत्यंत हर्ष और गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता में विजय नहीं है, बल्कि हरियाणा की ग्रामीण संस्कृति, कठोर अनुशासन, मजबूत इच्छाशक्ति और युवाओं की जुझारू भावना की जीत है।

श्री नायब सिंह सैनी ने खिलाड़ियों के कोच और प्रशिक्षकों की भूमिका की भी सराहना करते हुए कहा कि वे भले ही अक्सर पर्दे के पीछे रहते हैं, लेकिन खिलाड़ियों की सफलता के असली शिल्पकार वही होते हैं। उनकी योजना, अनुशासन, प्रशिक्षण पद्धतियां और निरंतर परिश्रम ने ही इस उपलब्धि को संभव बनाया है।

उन्होंने कहा कि यह विजय हरियाणा के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। गांवों में खेल रहे हजारों बच्चे अब इन खिलाड़ियों को अपना आदर्श मानेंगे और बड़े सपने देखेंगे। इन खिलाड़ियों की गांव के मैदानों से अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम तक की यात्रा हर युवा में यह विश्वास जगाती है कि मेहनत और अनुशासन से बड़े से बड़ा सपना भी साकार किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने 11 वर्ष पहले खेलों के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण विकसित किया था, जिसका उद्देश्य हर बच्चे को खेलों से जोड़ना, प्रत्येक गांव में खेल मैदान विकसित करना और खेलों के प्रति जुनून रखने वाले हर युवा को अवसर प्रदान करना है। इस दृष्टिकोण का लक्ष्य हरियाणा को न केवल भारत की खेल राजधानी बनाना है, बल्कि एक वैश्विक खेल केंद्र के रूप में स्थापित करना भी है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी 2036 ओलंपिक खेलों तक भारत को एक खेल-महाशक्ति बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है और इन खेलों की मेजबानी भारत में कराने का संकल्प व्यक्त किया है। आज हरियाणा को "खेलों की नर्सरी" के रूप में पहचाना जाता है, जो राज्य के लिए गर्व की बात है।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी कर रहा है और आशा व्यक्त की कि वहां भी हरियाणा के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाएंगे।